मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, गुरुवार, 18 जून 2026
संवत 2083, शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल 3 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 274 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ छात्र शक्ति और बिहार आंदोलन का संदेश
रशिमका दिखाएंगी कृति को असली वाला बेंगलुरू ◂◂ 6

अमेरिका-ईरान युद्ध खत्म, दोनों देशों ने 14 सूत्रीय एमओयू पर किए साइन, खुल जाएगा होर्मुज स्ट्रेट

एजेंसी

पेरिस: अमेरिका और ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस समझौत पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बैठक के दौरान पेरिस के वर्सेल्स पैलेस में दस्तखत किए, जबकि ईरान के राष्ट्रपति पजशकियान ने तेहरान में हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं के हस्ताक्षर के बाद भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह पांच बजे से यह समझौता प्रभावी हो गया।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार 14 सूत्रीय समझौते में कहा गया है कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होंगे। साथ ही इसमें ईरान के पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास के लिए 300 अरब डॉलर के कोष का प्रावधान किया गया है। हालांकि अमेरिका के लिए इसमें योगदान देना अनिवार्य नहीं है। यह समझौता अमेरिका - ईरान और इजरायल के बीच टकराव शुरू होने के चार महीने बाद हुआ है।

ट्रंप प्रशासन ने इस समझौते को प्रदर्शन-आधारित बताया है, जिसका मतलब है कि ईरान को तभी फायदा होगा जब वह अपने वादों का पालन करेगा। रिपोर्ट के अनुसार समझौते के तहत ईरान में युद्ध समाप्त होगा और लेबनान में भी संघर्ष खत्म करने की बात कही गई है। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने और अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी समाप्त करने की बात कही गई है।

फ्रांस के राष्ट्रति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया पर ट्रंप के इस समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए वीडियो पोस्ट करते हुए बुधवार को लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप ने आज रात वर्सेल्स में ईरान और अमेरिका के बीच समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। यह समझौता हमेशा रहने वाली शांति का रास्ता बनाता है और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की इजाजत देता है। यह हमारे देशवासियों के लिए सही दिशा में एक जरूरी कदम है जिससे जल्द ही एनर्जी की कीमतों में कमी आएगी।

नामकुम रेलवे स्टेशन के पास मिला आरपीएफ जवान का शव, सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

- मृतक जवान का सिर धड़ से अलग मिला

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के नामकुम रेलवे स्टेशन के समीप गुरुवार सुबह एक आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) जवान का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना सुबह करीब 4 बजे की बताई जा रही है। मृतक जवान का सिर धड़ से अलग मिला, जिससे घटना को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं।

घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ और जीआरपी (गवर्नमेंट रेलवे पुलिस) की टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि जवान की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई दुर्घटना है, आत्महत्या का मामला है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। आरपीएफ और जीआरपी अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। मृतक जवान की पहचान और उसके ड्यूटी से संबंधित जानकारी भी जुटाई जा रही है।

इस हृदयविदारक घटना के बाद रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में भी हलचल है। पुलिस ने कहा है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और सभी तथ्यों को सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के बेटे से 7.80 करोड़ की साइबर ठगी

- व्हाट्सएप पर फोटो लगा स्टाफ से मंगाए पैसे

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के बेटे से जुड़ी एक बड़ी साइबर धोखाधड़ी की जांच शुरू कर दी है। पूर्व सांसद नरेश कुमार गुजराल के साथ कथित तौर पर 7.80 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई। इस घटना के संबंध में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रिकवरी की चल रही प्रक्रिया के तहत अधिकारियों ने लगभग 4 करोड़ रुपये फ्रीज कर दिए हैं।

जांचकर्ताओं ने बताया कि यह धोखाधड़ी नरेश कुमार गुजराल बनकर की गई। आरोपी ने कथित तौर पर उनकी तस्वीर का इस्तेमाल करके व्हाट्सएप के जरिए उनके स्टाफ सदस्य से संपर्क किया और खुद को गुजराल बताया। धोखाधड़ी करने वाले ने गुजराल बनकर बातचीत की और कहा कि वह एक मीटिंग में हैं, साथ ही स्टाफ को आरटीजीएस के जरिए एक खास बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने का निर्देश दिया। दिल्ली पुलिस का साइबर सेल अभी इस मामले की जांच कर रहा है, पैसे के लेन-देन का पता लगा रहा है और पहचान की चोरी के जरिए की गई इस वित्तीय धोखाधड़ी में शामिल लोगों की पहचान कर रहा है। यह घटना साबित करती है कि साइबर अपराधी अब केवल आम लोगों को ही नहीं, बल्कि देश के सबसे सुरक्षित और रसूखदार परिवारों को भी अपना शिकार बना रहे हैं। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी वित्तीय लेन-देन या आरटीजीएस ट्रांसफर से पहले, चाहे वह मैसेज किसी वरिष्ठ अधिकारी या मालिक के नाम से ही क्यों न आया हो, एक बार पारंपरिक कॉल या आमने-सामने बात करके पुष्टि जरूर करनी चाहिए।

कलकत्ता हाईकोर्ट से ममता बनर्जी को नहीं मिली राहत

ऋतब्रत बनर्जी बने रहेंगे नेता प्रतिपक्ष

एजेंसी

कोलकाता: कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथींद्र बोस के उस फैसले पर कोई अंतरिम आदेश देने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया जिसके तहत तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट के विधायक रिताब्रता बनर्जी को विपक्ष का नेता नियुक्त किया गया था। तृणमूल विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने विपक्ष के नेता पद के लिए उनकी दावेदारी खारिज किए जाने और विधानसभा अध्यक्ष द्वारा बनर्जी को इस पद पर नियुक्त किए जाने को चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया था।

न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने विधानसभा अध्यक्ष के फैसले पर कोई अंतरिम आदेश देने से इनकार करते हुए मामले को अगली सुनवाई के लिए 28 जुलाई को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। अदालत ने याचिका में प्रतिवादियों को तीन सप्ताह के भीतर हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति राव ने कहा कि याचिकाकर्ता को इसके बाद दो सप्ताह के भीतर उन हलफनामों पर जवाब दाखिल करने का अवसर मिलेगा।

बागी गुट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल के कुल 80 विधायकों में से 58 का समर्थन होने का दावा किया है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट से जुड़े चट्टोपाध्याय ने इस आधार पर अंतरिम आदेश दिए जाने का अनुरोध किया था कि 18वीं पश्चिम बंगाल विधानसभा का पहला सत्र बृहस्पतिवार से शुरू होना था।

झारखंड में राज्यसभा की दो सीट के लिए मतदान जारी, सीएम पहुंचे विधानसभा

रांचीः झारखंड की दो राज्यसभा सीटों के लिए गुरुवार यानी 18 जून को मतदान शुरू हो चुका है। 2 राज्यसभा सीटों के लिए तीन प्रत्याशी मैदान में हैं । झामुमो की ओर से बैजनाथ राम, कांग्रेस की तरफ से प्रणव झा और निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में परिमल नथवाणी चुनाव लड़ रहे हैं । विधायकों का विधान सभा पहुंचने का सिलसिला शुरू हो चुका है । राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के विधायक बस से विधानसभा पहुंचे । सुबह 9 से 4 बजे तक होगी वोटिंगः झारखंड विधानसभा के सचिव और निर्वाचन अधिकारी रंजीत कुमार ने बताया कि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए विधानसभा परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं । मतदान सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक होगा । इसके बाद निर्वाचन आयोग की अनुमति मिलने पर शाम 5:00 बजे से मतगणना शुरू की जाएगी।

चंबा में 7 लोगों की मौत, छतरूंड के पास खाई में गिरी बोलेरो

- मुंडन की धाम खाकर आ रहे थे सभी

एजेंसी

चंबा: जिला चंबा के मसरूंड-हमल मार्ग पर छतरूंड के समीप बोलेरो वाहन के गहरी खाई में गिरने से सवार सात लोगों की मौत हो गई। हादसे का शिकार हुई बोलेरो (एचपी-01सी-2581) ग्राम पंचायत कुठेड़ के महल गांव की बताई जा रही है। मृतकों में चार महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। महल गांव के लोग पंचायत के काकड़ोथा गांव में आयोजित मुंडन संस्कार की धाम में शामिल होने गए थे। धाम खाने के बाद सभी लोग बोलेरो में सवार होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान छतरूंड के समीप वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसा इतना भीषण था कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों के लोग सबसे पहले मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने खाई में उतरकर शवों को बाहर निकालने का कार्य किया। बाद में पुलिस और प्रशासन की टीमें भी घटनास्थल पर पहुंच गईं। उधर, एसपी विजय कुमार सकलानी ने बताया कि छतरूंड के समीप बोलेरो वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेज दिया गया है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। हादसे में मृतकों और घायलों के संबंध में जानकारी एकत्र की जा रही है। दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

उद्धव ठाकरे की पार्टी टूटी, नौ में से छह सांसद बागी

- संजय राउत ने बागियों को दी गाली, केंद्र सरकार पर हमला
- शिवसेना से पहले आप-टीएमसी के 27 सांसद बागी हुए, सपा में भी टूट की अटकलें

एजेंसी

मुंबई: महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के नौ में से छह सांसदों ने बगावत कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, छह सांसदों ने बुधवार सुबह साढ़े नौ बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को शिंदे गुट में विलय के लिए चिट्ठी भेजी। हालांकि, अभी स्पीकर या बागी गुट की तरफ इसकी पुष्टि नहीं की गई है। बागी सांसदों में नागेश पाटिल आष्टीकर और संजय दीना पाटिल शामिल हैं। इसी बीच दिल्ली में राज्यसभा सांसद संजय राउत ने प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान बागी सांसदों को गालियां तक निकाल दीं। राउत ने कहा कि ये साले ढक्के। ये बेईमान लोग हैं। बेईमानी उनके खून में हैं। राउत ने बाद में सफाई देते हुए कहा कि मराठी में ऐसे शब्द आम बोलचाल का हिस्सा हैं। राउत ने दावा किया कि बागी सांसदों को 50-50 करोड़ रुपए ऑफर हुए हैं। राउत ने कहा कि मेरे पास जानकारी है कि सांसदों को 15-15 करोड़ रुपए पहुंचाए गए हैं और उन्हें तीन चार्टर्ड विमानों से दिल्ली लाया गया है। राउत की प्रेस कान्फ्रेंस में शिवसेना (यूबीटी) के नौ में से सिर्फ तीन सांसद, अनिल देसाई, राजाभाऊ वाजे और अरविंद सावंत मौजूद रहे। राउत ने कहा कि बाकी सांसदों को खुद सामने आकर अटकलों का खंडन करना चाहिए। संजय राउत ने बताया कि संसदीय दल के नेता अरविंद सावंत ने सभी सांसदों को गुरुवार सुबह 11 बजे होने वाली बैठक में मौजूद रहने का निर्देश दिया है। सांसद शिवसेना (यूबीटी) के चुनाव चिह्न और उद्धव ठाकरे के नाम पर चुने गए हैं। उन्हें पार्टी के साथ विश्वासघात करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बार लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसका जवाब मिलेगा। इस दौरान संजय राउत ने लोकसभा में परिसीमन बिल गिरने के कारण भाजपा पर विपक्षी दलों को तोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर परिसीमन बिल पास नहीं हुआ तो क्या देश पर आसमान टूट पड़ेगा? सभी दलों की सहमति बनने के बाद इसे फिर लाया जा सकता था। बिल पारित नहीं होने के बाद भाजपा जिस तरह की राजनीतिक गतिविधियां कर रही है, वह बेहद आपत्तिजनक और निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विपक्ष को कमजोर करने के लिए दल-बदल को बढ़ावा दे रही है। बता दें कि शिवसेना में चार साल में यह दूसरी बड़ी टूट है। जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 39 विधायकों ने बगावत कर शिवसेना का अलग गुट बनाया था। बता दें कि पिछले तीन महीने के दौरान विपक्षी गुट के 27 सांसदों ने अपनी पार्टी से बगावत करते हुए भाजपा या एनडीए को समर्थन दिया है। इनमें सात आप के राज्यसभा सांसद और 20 टीएमसी के लोकसभा सांसद हैं।

उधर, शिवसेना (यूबीटी) में टूट की अटकलों के बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी चीफ और यूपी के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट होने वाली है और पार्टी के कई नेता भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। इसी बीच, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी दावा किया कि समाजवादी पार्टी के 25 से 26 सांसद वर्तमान में पाला बदलने और पार्टी तोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार बैठे हैं। टीएमसी और शिवसेना में हुई टूट का उदाहरण देते हुए उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि भाजपा फिलहाल उनकी पार्टी को खुद नहीं तोड़ रही है, बल्कि साल 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव तक ये नेता अपने आप ही टूटकर चले जाएंगे।सपा चीफ अखिलेश यादव ने पार्टी में टूट की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि सपा मजबूत और एकजुट है। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के अपने विधायक पाला बदलने वाले हैं।

आईआईटी दिल्ली क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग्स 2027 में फिर अव्वल

भारतीय संस्थानों की संख्या बढ़कर हुई 52

एजेंसी

नई दिल्ली : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) दिल्ली ने एक बार फिर देश के शीर्ष शिक्षण एवं शोध संस्थान के रूप में अपनी पहचान मजबूत की है। 18 जून को जारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में आईआईटी दिल्ली ने पांच स्थानों की छलांग लगाते हुए वैश्विक स्तर पर 118वीं रैंक हासिल किया है। इसके साथ ही संस्थान ने किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा अब तक प्राप्त सर्वोच्च वैश्विक रैंक की बराबरी कर ली है।

आईआईटी दिल्ली ने पिछले वर्ष की 123वीं रैंक से सुधार करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में संस्थान 197वें स्थान पर था। लगातार तीन वर्षों में हुए इस उल्लेखनीय सुधार ने भारतीय उच्च शिक्षा की वैश्विक पहचान को और मजबूत किया है।

रैंकिंग पर प्रतिक्रिया देते हुए आईआईटी दिल्ली के डीन (प्लानिंग एंड रैंकिंग सेल) प्रो. सोमनाथ बैद्य रॉय ने कहा कि संस्थान विश्वस्तरीय और किफायती तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ वैश्विक शोधकताओं और विद्यार्थियों के लिए पसंदीदा केंद्र बनने के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नया पाठ्यक्रम, आधुनिक बुनियादी ढांचा और बढ़ता अंतरराष्ट्रीय सहयोग आने वाले वर्षों में संस्थान की गुणवत्ता और प्रभाव को और बढ़ाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

दो बाइक की टक्कर में एक की मौत, तीन घायल

मुरी : बन्ता रोड माझ पहाड़ के पास दो मोटरसाइकिल की आमने- सामने की टक्कर एक की मौत हो गयी जबकि तीन लोग घायल हो गये। दुर्घटना में घायल सभी चारो लोगों को पुलिस ने सिल्ली अस्पताल पहुंचाया , जहां पर डॉक्टर ने एक के मौत की पुष्टि कर दी। तीन घायल में एक बच्चा भी है। तीनों घायल को बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेज दिया गया। मृतक लोदमु का दयानंद महतो था।

छिनतई मामले में दो गिरफ्तार, भेजे गए जेल

मुरीः 14 जून को लाह व्यपारी से हुई छिनतई की घटना के बाद सिल्ली पुलिस गुप्त सुचना के आधार पर निमाई चन्द्र दत्ता और प्रवीण महतो(राहे थाना) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति से सोलह हजार पांच सौ नगद, मोबाइल पासबुक, एटीएम कार्ड बरामद किया।

कुब्बा गांव में ग्रामीणों को मिला स्वास्थ्य और जागरूकता का संबल

चतराः ग्रामीण समुदाय को स्वस्थ, जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए चतरा जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड अंतर्गत बरवाडीह पंचायत के कुब्बा गांव में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एचडीएफसी बैंक परिवर्तन परियोजना के तहत समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम में एचडीएफसी बैंक के वित्तीय सहयोग एवं सपोर्ट संस्था के तकनीकी मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।शिविर में ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।कार्यक्रम का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि लोगों को स्वच्छता, पोषण और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना भी था।

शिविर के दौरान चिकित्सक डॉ. विजय कुमार एवं सहिया मंजु देवी, सेविका मीनावाला देवी स्वास्थ्य टीम द्वारा ग्रामीणों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। ब्लड प्रेशर और शुगर जांच के साथ-साथ आवश्यक जेनरिक दवाइयों, ओआरएस, आयरन टैबलेट, सेनेटरी पैड एवं अन्य स्वास्थ्य सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही मलेरिया, डायरिया एवं अन्य सामान्य बीमारियों से बचाव के उपायों की विस्तार से जानकारी दी गई। सपोर्ट संस्था की एरिया कोऑर्डिनेटर आकांक्षा कुमारी ने ग्रामीणों को नशामुक्त जीवन, स्वच्छ पेयजल, संतुलित आहार, पोषण वाटिका तथा व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने और लोगों को बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में सपोर्ट संस्था के प्रवेश ठाकुर, नीलमणि प्रजापति, एलआरपी स्वीटी कुमारी सहित स्थानीय ग्रामीणों का उल्लेखनीय योगदान रहा। कुब्बा गांव में आयोजित यह स्वास्थ्य शिविर केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण समुदाय के बेहतर स्वास्थ्य, जागरूकता और सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक सार्थक कदम है, जो आने वाले समय में समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव साबित होगा।

तांबा जंगल हत्याकांड का खुलासा : प्रेमिका, उसका पुत्र व सहयोगी गिरफ्तार

खूंटीः जिले के रनिया थाना क्षेत्र के तांबा जंगल के पास 15 जून को मिले राधेश्याम साहु के शव मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, हत्या के पीछे पारिवारिक एवं व्यक्तिगत संबंधों से जुड़ा विवाद सामने आया है। जानकारी के अनुसार 15 जून को तांबा जंगल के समीप राधेश्याम साहु का शव बरामद होने के बाद रनिया थाना कांड संख्या 22/26 दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल का गठन किया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। पूछताछ में आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उन्होंने राधेश्याम साहु को उसके घर के समीप डंडे से हमला कर घायल किया और बाद में गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को मृतक की स्कूटी से तांबा जंगल ले जाकर फेंक दिया गया तथा साक्ष्य छिपाने और घटना को सड़क दुर्घटना दशार्ने के उद्देश्य से शव को पत्थर से कुचल दिया गया।

पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर स्कूटी को इस प्रकार रखा गया था कि प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना प्रतीत हो। हालांकि वैज्ञानिक एवं तकनीकी जांच के आधार पर हत्या की साजिश का पदार्फाश हो गया। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त डंडा, घटना के दिन का वीडियो एवं फोटो युक्त मोबाइल फोन तथा घटना के समय पहने गए चप्पल बरामद कर जब्त कर लिए हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक राधेश्याम साहु के पारिवारिक संबंध जटिल थे। उसकी दो पत्नियां थीं तथा वह एक अन्य महिला के संपर्क में भी था। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार महिला, उसका पुत्र एवं एक सहयोगी इस हत्याकांड में शामिल थे।

गिरफ्तार आरोपियों में रनिया थाना क्षेत्र के किशुनपुर गांव निवासी लक्ष्मी देवी (40), तपकरा थाना क्षेत्र के बिरता गांव निवासी संदीप मांझी (26) तथा किशुनपुर गांव निवासी रविंद्र मांझी (18) शामिल हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितता का मामला

प्रकरण की जांच सीबीआई या प्राइवेट एजेंसी से कराई जायेः सुनील सिंह

मेट्रो रेज

रांची : राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं की सीबीआई अथवा स्वतंत्र जांच एजेंसी से जांच कराने की मांग केंद्र सरकार से की है। कहा कि इस प्रकरण ने देशभर के करोड़ों राम भक्तों एवं हिंदू समाज की भावनाओं को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के दान मे चढ़ावे की राशि, और आभूषणों में करोड़ों रुपए गबन और अनियमितताओं के साथ राम मंदिर निर्माण से संबंधित धनराशि के उपयोग भूमि क्रय- विक्रय एवं अन्य वित्तीय लेन- देन में गंभीर अनियमितताओं की आशंका व्यक्त की जा रही है। चूंकि यह विषय करोड़ों हिंदुओं की आस्था, श्रद्धा एवं जनमानस से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसकी जांच पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ होनी चाहिए। ताकि सत्य जनता के सामने आ सके और जनता का विश्वास बना रहे। भगवान श्री राम किसी राजनीतिक दल, संगठन अथवा व्यक्ति की निजी संपत्ति

नहीं है। इसलिए इस मामले में किसी भी प्रकार के संदेश को समाप्त करना सरकार और संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी है। सुनील कुमार सिंह ने कहा कि मिली जानकारी के अनुसार श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट मंदिर निर्माण के महासचिव चंपत राय के करीबी सहयोगी रामाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव, मंदिर निर्माण के मुख्य प्रभारी गोपाल राव के कथित भतीजा सोमेश आनंद, केडी तिवारी जिसे रामलला के आभूषणों को संभालने की मुख्य प्रशासनिक जिम्मेदारी दी गई थी, समेत मंदिर से जुड़े सेवादारों और कर्मचारीयों से छापेमारी में करीब 2 करोड़ नगदी, कई किलो शुद्ध सोना, लग्जरी कार और अयोध्या में 50 करोड़ से भी अधिक बेनामी संपत्तियों का पता चला है। इतना कुछ प्रमाणित किए जाने के लिए काफी है । कहा कि यदि आरोप निराधार है तो जांच से यह स्पष्ट हो जाएगा, और यदि किसी प्रकार की अनियमितता हुई है, तो दोषियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह का कुकृत्य करने से पहले हजार बार सोचे।

राजस्व संग्रहण में चतरा का उत्कृष्ट प्रदर्शन

अवैध शराब कारोबार पर सख्त कार्रवाई का निर्देश

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में उत्पाद विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग के राजस्व संग्रहण, अभियोग कार्यों तथा अवैध शराब के विरुद्ध संचालित कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उत्पाद अधीक्षक प्रेम प्रकाश उरांव ने विभागीय उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में जिले में 32 कंपोजिट शराब दुकानें एवं 06 देशी शराब दुकानें संचालित हैं। जिले में 01 कैंटीन अनुज्ञप्ति सहित कुल 41 उत्पाद अनुज्ञप्तियां प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के अप्रैल एवं मई माह के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्य के विरुद्ध विभाग ने 104.67 प्रतिशत राजस्व संग्रहण कर लक्ष्य से अधिक उपलब्धि प्राप्त की है। राजस्व संग्रहण की संतोषजनक स्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उपायुक्त रवि आनंद ने विभागीय अधिकारियों को इस उपलब्धि को आगामी महीनों में भी बरकरार रखने तथा राजस्व वृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान उत्पाद अधीक्षक प्रेम प्रकाश उरांव ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नियमित छापामारी एवं गश्ती अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इसके तहत विभिन्न क्षेत्रों में लगातार कार्रवाई कर अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने का प्रयास किया जा रहा है।उपायुक्त ने अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध और अधिक सख्ती बरतने का निर्देश देते हुए कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही राजस्व संग्रहण में और वृद्धि लाने के लिए प्रवर्तन एवं निगरानी तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने कहा कि राजस्व वृद्धि एवं अवैध शराब उन्मूलन, दोनों विभाग की प्राथमिकताएं हैं। इन दोनों क्षेत्रों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए जिले में विधिसम्मत उत्पाद व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाया जाए। बैठक में उत्पाद विभाग के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

लावालौंग में गहराया बिजली संकट, लोग बेहाल

चतराः जिले के लावालौंग प्रखंड क्षेत्र में बिजली की बदहाल स्थिति से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।उमस भरी गर्मी के बीच बिजली की लगातार कटौती से आमजन का जनजीवन प्रभावित हो गया है। खासकर बच्चों,बुजुर्गों और बीमार लोगों की स्थिति काफी दयनीय हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि दिनभर बिजली नाममात्र की दी जा रही है। कभी-कभार एक-दो घंटे के लिए बिजली आपूर्ति कर खानापूर्ति की जाती है। लोगों के अनुसार पूरे दिन में चार से पांच घंटे भी नियमित बिजली उपलब्ध नहीं हो पा रही है,जिससे पेयजल, पढ़ाई-लिखाई और घरेलू कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बिजली संकट को लेकर लोग क्षुब्ध हैं। इस संबंध में बीडीओ विपिन कुमार भारती ने कहा कि चतरा उपायुक्त के सख्त निर्देश हैं कि यदि किसी क्षेत्र में पांच घंटे से कम बिजली आपूर्ति की जाती है तो इसकी तत्काल सूचना उन्हें दी जाए, ताकि संबंधित विभाग से समन्वय कर समस्या का समाधान कराया जा सके। इधर क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि लमटा पावर स्टेशन से लावालौंग क्षेत्र में जानबूझकर बिजली की अधिक कटौती की जाती है,जबकि बगरा समेत अन्य फीडरों को अपेक्षाकृत बेहतर बिजली आपूर्ति दी जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि विभागीय कटौती के साथ-साथ लमटा पावर स्टेशन के संचालकों की मनमानी का खामियाजा भी क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ रहा है। गर्मी में परेशानी बढ़ी है और बिजली नहीं रहने से पंखे और कूलर बंद पड़े हैं। रात में लोगों की नींद हराम हो रही है। छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है,वहीं बीमार और बुजुर्गों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और बिजली विभाग से लावालौंग क्षेत्र में नियमित एवं पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

17 पेटी अवैध शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

तस्करी में प्रयुक्त हुंडई कार भी जब्त

तस्करी के लिए बिहार ले जाया जा रहा था शराब

संवाददाता

चतरा : जिला पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 408 बोतल शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजपुर थाना क्षेत्र के हरहद गांव निवासी सोनू कुमार यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक हुंडई कार को भी जब्त कर लिया है। बुधवार को सदर थाना परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को गुप्त सूचना मिली थी कि चतरा से अवैध शराब की बड़ी खेप बिहार ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सदर थाना पुलिस की एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने चतरा-गया मुख्य मार्ग स्थित संघरी घाटी के समीप वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान एक संदिग्ध हुंडई कार को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार की डिक्की से 17 पेटियों में छिपाकर रखी गई कुल 408 बोतल अवैध शराब बरामद हुई। मौके पर ही तस्कर सोनू कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि आरोपी शराब की खेप को बिहार ले जाकर ऊंचे दामों पर बेचने की तैयारी में था। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि शराब की खेप कहां से लाई गई थी और इस तस्करी नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है तथा उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। साथ ही जब्त शराब और वाहन को पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। हाल के दिनों में शराब तस्करी के कई मामलों का खुलासा हुआ है, जिससे इस अवैध धंधे में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

सीएचओ को नशा व तंबाकू नियंत्रण के लिए किया गया प्रशिक्षित

संवाददाता

खूंटी : स्वास्थ्य विभाग, खूंटी द्वारा मंगलवार को जिले के कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स (सीएचओ) के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य सीएचओ की क्षमता का विकास कर उन्हें समुदायों एवं विद्यालयों में तंबाकू तथा नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति प्रभावी जनजागरूकता फैलाने के लिए तैयार करना था। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले में संचालित नशा मुक्ति अभियान (15 जून से 26 जून) तथा तंबाकू निषेध अभियान (31 मई से 26 जून) के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए सिविल सर्जन डॉ. एल.आर. पाठक ने तंबाकू एवं नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले गंभीर शारीरिक, मानसिक और आर्थिक दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज को नशामुक्त बनाने में स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रशिक्षण के दौरान सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा) 2003 के विभिन्न कानूनी प्रावधानों और नियमों पर भी चर्चा की गई। सीएचओ को सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान निषेध तथा शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर रोक संबंधी नियमों की जानकारी देते हुए इनके प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) कानन बाला तिर्की ने स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से अभियान को सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने पर जोर दिया। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के जिला सलाहकार रोहित जॉन तिग्गा ने तंबाकू नियंत्रण के तकनीकी एवं कानूनी पहलुओं की जानकारी दी। वहीं सोशल वर्कर पूनम एक्का ने नशे की लत से प्रभावित परिवारों की काउंसिलिंग तथा सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के व्यावहारिक उपायों पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के समापन पर सभी कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स को अपने-अपने कार्यक्षेत्रों एवं स्थानीय विद्यालयों में जागरूकता अभियान चलाने तथा लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य विभाग ने उम्मीद जताई कि इस पहल से जिले में नशा एवं तंबाकू सेवन के विरुद्ध जनजागरूकता को और मजबूती मिलेगी।

नीट (यूजी) पुनर्परीक्षा 21 जून को, 434 अभ्यर्थी होगें शामिल, प्रशासनिक तैयारियां पूरी

संवाददाता

चतरा : राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) पुनर्परीक्षा-2026 के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा संचालन से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में बताया गया कि जिले में 21 जून 2026 को आयोजित होने वाली नीट-यूजी पुनर्परीक्षा में कुल 434 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, चतरा में आयोजित की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की इस महत्वपूर्ण परीक्षा के आयोजन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने परीक्षा की गोपनीयता, पारदर्शिता एवं सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को परीक्षा केंद्र पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार अभ्यर्थियों की जांच सुनिश्चित करने को कहा। बैठक के दौरान परीक्षा केंद्र

पर पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधा, सीसीटीवी निगरानी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र के आसपास अनावश्यक भीड़, यातायात अवरोध अथवा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। सभी संबंधित विभाग निर्धारित दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ करें ताकि परीक्षा का आयोजन सुचारू एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। बैठक में चतरा के अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम, शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, डीएसपी मुख्यालय सुनील कुमार सिंह, चतरा सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिनाथ महतो समेत प्रशासन, पुलिस एवं शिक्षा विभाग के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

झारखंड राज्यसभा चुनाव 2027

'56 नहीं, 61 हैं हम', राज्यसभा चुनाव से पहले हेमंत सोरेन के दावे से बढ़ा रोमांच, अब नतीजे पर नजर

संवाददाता

रांची: झारखंड में राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान जारी है। इसी बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का एक नारा राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। मतदान से पहले महागठबंधन की ताकत को लेकर दिए गए उनके नारे 56 नहीं, 61 हैं हम को अब चुनावी गणित और सियासी संदेश दोनों के रूप में देखा जा रहा है।

राज्यसभा की दो सीटों के लिए हो रहे चुनाव में महागठबंधन और एनडीए दोनों ने अपनी-अपनी रणनीति के तहत विधायकों को एकजुट रखने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी। मतदान से पहले सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच संख्या बल को लेकर दावों और प्रतिदावों का दौर भी चला।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन लगातार दावा करते रहे कि महागठबंधन के पास केवल 56 नहीं, बल्कि 61 विधायकों का समर्थन है। उनके इस बयान को राज्यसभा चुनाव में महागठबंधन के आत्मविश्वास और राजनीतिक संदेश के तौर पर देखा गया। वहीं विपक्षी दल इस दावे पर सवाल उठाते रहे। मतदान से पहले एनडीए ने अपने सभी विधायकों को रांची के एक होटल में ठहराया था, जबकि कांग्रेस के विधायक अलग कैंप में मौजूद रहे। दूसरी ओर झामुमो विधायकों की बैठक मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित की गई थी, जहां गठबंधन प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान सुनिश्चित करने और एकजुटता बनाए रखने को लेकर रणनीति बनाई गई। राज्यसभा चुनाव में महागठबंधन की ओर से झामुमो उम्मीदवार बैद्यनाथ राम और कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा मैदान में हैं, जबकि भाजपा समर्थित उम्मीदवार परिमल नाथवानी चुनावी मुकाबले में शामिल हैं।

अब राजनीतिक दलों की नजरें परिणाम पर टिकी हुई हैं। हेमंत सोरेन का 56 नहीं, 61 हैं हम वाला नारा चुनावी नतीजों से पहले भी झारखंड की राजनीति में चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

वोटिंग के बीच चंपाई सोरेन का दावा, बोले–

नाथवानी की जीत तय, एनडीए के पास पर्याप्त समर्थन

रांची: झारखंड में राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। एनडीए समर्थित उम्मीदवार परिमल नाथवानी की जीत को लेकर भाजपा और उसके सहयोगी दलों के नेता पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा दास साहू ने दावा किया है कि एनडीए के पास पर्याप्त समर्थन है और परिमल नाथवानी जीत दर्ज करेंगे। मतदान के दौरान मीडिया से बातचीत में चंपाई सोरेन ने कहा कि एनडीए पूरी तरह एकजुट है। गठबंधन के सभी विधायक और सहयोगी दलों के सदस्य परिमल नाथवानी के समर्थन में मतदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव को लेकर किसी तरह की असमंजस की स्थिति नहीं है और एनडीए के पास जीत के लिए आवश्यक संख्या से अधिक समर्थन मौजूद है। चंपाई सोरेन ने विश्वास जताया कि मतगणना के बाद परिणाम एनडीए के पक्ष में आएगा और परिमल नाथवानी राज्यसभा पहुंचने में सफल होंगे।

वहीं जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा दास साहू ने भी परिमल नाथवानी की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि नाथवानी को 28 से अधिक वोट मिलने की संभावना है। उनके अनुसार एनडीए के सभी विधायक एकजुट हैं और कुछ अन्य दलों तथा निर्दलीय विधायकों का समर्थन भी उन्हें मिल सकता है, जिससे उनकी स्थिति और मजबूत हुई है।

गौरतलब है कि झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए मतदान जारी है। चुनावी मुकाबले को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। विधानसभा परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जा रही है।

अब सभी की निगाहें मतगणना और अंतिम परिणाम पर टिकी हैं। मतगणना के बाद यह साफ हो जाएगा कि राज्यसभा की दोनों सीटों पर कौन से उम्मीदवार जीत हासिल करते हैं। फिलहाल चुनावी माहौल में दावों और प्रतिदावों का दौर जारी है।

मोरहाबादी में डिलीवरी बॉय की पिटाई, इंसाफ के लिए सैकड़ों कर्मियों ने घेरा अपार्टमेंट

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी के वीआईपी इलाके मोरहाबादी में गुरुवार को उस वक्त भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब एक ऑनलाइन डिलीवरी ऐप ब्लिंकइट के डिलीवरी बॉय के साथ से मारपीट की गई। घटना मोरहाबादी स्थित रामकृष्ण अपार्टमेंट के पास की है। इस घटना के विरोध में सैकड़ों की संख्या में डिलीवरी कर्मी एकजुट हो गए और अपार्टमेंट का घेराव कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे।

क्या है पूरा मामला ?

मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार को ब्लिंकइट का एक डिलीवरी बॉय सामान की डिलीवरी देने के लिए मोरहाबादी के रामकृष्ण अपार्टमेंट पहुंचा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर वहां मौजूद कुछ लोगों से उसकी बहस हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि लोगों ने डिलीवरी बॉय के साथ मारपीट शुरू कर दी और उसे बुरी तरह से पीट दिया गया। अपने साथी के साथ हुई मारपीट की खबर जैसे ही रांची के अन्य ब्लिंकिट डिलीवरी पार्टनर्स को मिली, वे आक्रोशित हो गए। देखते ही देखते करीब सैकड़ों की संख्या में डिलीवरी कर्मी काम छोड़कर रामकृष्ण अपार्टमेंट के पास जुटने लगे। कर्मियों ने अपार्टमेंट के बाहर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया और पीड़ित को इंसाफ दिलाने तथा मारपीट करने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग पर अड़ गए।

इंडिगो की रांची-कोलकाता सेवा एक जुलाई से बंद, एयरक्राफ्ट की कमी बनीं वजह

रांची: रांची एयरपोर्ट से एक जुलाई से कई रूटों पर उड़ानों की संख्या घट जाएगी। इंडिगो की कोलकाता फ्लाइट, दोपहर दो बजे कोलकाता से रांची पहुंचती थी और 3:30 बजे वापस कोलकाता जाती थी, उसकी बुकिंग एक जुलाई से बंद हो गई है। वहीं, एयर इंडिया ने दिल्ली रूट पर अपनी एक उड़ान सेवा बंद कर दी है। शाम में संचालित होने वाली यह उड़ान भी एक जुलाई से नहीं चलेगी। इसके अलावा इंडिगो ने देवघर-दिल्ली रूट पर शाम की एक उड़ान सेवा भी बंद कर दी है। लगातार हो रही इन कटौतियों से यात्रियों के लिए उपलब्ध उड़ानों की संख्या कम हो जाएगी। इंडिगो के एक अधिकारी के अनुसार कंपनी के पास फिलहाल विमानों की उपलब्धता सीमित है, जबकि देशभर में हवाई यात्रा की मांग लगातार बढ़ रही है। वहीं कुछ रूटों पर यात्रियों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। ऐसे में उपलब्ध विमानों का उपयोग मांग के अनुसार किया जा रहा है।

आरएसएस दफ्तर पर पेट्रोल बम फेंकने वाले चिन्हित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के चुटिया स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंकने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रांची पुलिस ने घटना में शामिल दोनों आरोपियों की पहचान कर ली है और हमले में इस्तेमाल किए गए वाहन को भी बरामद कर लिया है। पुलिस अब आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर सिटी एसपी पारस राणा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने मामले की जांच तेज करते हुए घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों तथा वाहन नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान सुनिश्चित की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार बरामद वाहन से जांच को महत्वपूर्ण दिशा मिली है। दोनों संदिग्धों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है और उन्हें जल्द गिरफ्तार किए जाने की संभावना है। गौरतलब है कि मंगलवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने चुटिया स्थित आरएसएस कार्यालय परिसर में पेट्रोल बम फेंका था। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था। हालांकि हमले में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच एजेंसियों ने मौके से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना के पीछे कोई व्यक्तिगत रंजिश थी या फिर किसी बड़ी साजिश के तहत इस वारदात को अंजाम दिया गया। रांची पुलिस का दावा है कि मामले के अधिकांश पहलुओं की जांच पूरी हो चुकी है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और जल्द ही इस मामले में बड़ा खुलासा संभव है।

अमेरिका द्वारा भारतीय नाविकों की मौत और नीट विवाद को लेकर कांग्रेस का मौन विरोध प्रदर्शन

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: चुटिया प्रखंड कांग्रेस समिति के तत्वावधान में बुधवार शाम इंदिरा गांधी चौक पर काली पट्टी बांधकर मौन विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अमेरिका में तीन भारतीय नाविकों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार की कथित चुप्पी के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि किसी भी परिवार के लिए अपने जवान बेटे को खोना सबसे बड़ी त्रासदी होती है। इसी संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए विरोध प्रदर्शन को मौन स्वरूप दिया गया, ताकि मृतक नाविकों के परिजनों के प्रति बिना शब्दों के संवेदना व्यक्त की जा सके। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह केवल राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता प्रकट करने का प्रयास है।

प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से इस मामले में स्पष्ट रुख अपनाने और उचित कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही, अमेरिका द्वारा किए गए कथित हमले की निंदा करते हुए मृतक नाविकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस दौरान नीट परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होने के मुद्दे को भी उठाया गया। कांग्रेस नेताओं ने परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता पर सवाल खड़े करते हुए प्रभावित विद्यार्थियों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की।

मौन विरोध प्रदर्शन में अरुण चावला, प्रशांत गौरव, दीपेश पाठक, विकास सिंह, नीतेश पाठक, किशोर राय, शिवम वर्मा, प्रदीप, राहुल राम, अजय महली, सावन लोहरा, मुन्ना सिंह, विवेक सिंह, महेश राय, दीपक लोहारा, रोहित राजपूत, विक्की प्रसाद, रोहित वर्मा, करण नायक, रोहन सिंह, शुभम गिरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, खूँटी
(मनरेगा कोषांग)

–:आदेश :–

आयुक्त, महात्मा गाँधी नरेगा, झारखण्ड राँची का पत्रांक(N) 623 दिनांक 29.05.2026 के आलोक में इस कार्यालय काआदेशज्ञापांक 122/मन० दिनांक 01.06.2026 द्वाराखूँटीजिलाअंतर्गतहड़तालपर गए सभी मनरेगा कर्मियों को आदेश निर्गत की तिथि सेदो दिनों के अंदर सेवा पर लौटने का निदेश दिया गया था, परन्तु प्रखण्डो से प्राप्त सूचना के अनुसार निर्धारित तिथि के बाद भी मनरेगा कर्मी सेवा पर वापस नहीं लौटे हैं। उल्लेखनीय है कि मनरेगा कर्मी मार्च माह, 2026 सेहड़ताल पर हैं जिसके कारण मनरेगा जैसे महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी योजना के क्रियान्वयन पर प्रतिकुल प्रभाव पड़ रहा है।

अतः खूँटी जिला अंतर्गत हड़ताल पर गए सभी मनरेगा कर्मी को पुनः निदेशित किया जाता है कि पत्र निर्गत की तिथि के दोदिनों के अंदर कार्य पर वापस लौटना सुनिश्चित करें।निर्धारित अवधि के अंदर सेवा पर वापस नहीं लौटने की स्थिति में यह माना जाएगा कि आप कार्य करने को इच्छुक नहींहैं एवं आपका पद रिक्त मानते हुए अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

ह०/–
उपायुक्त,
–सह–जिला कार्यक्रम समन्वयक,खूँटी

PR 382567 (District)26-27*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, राँची

Un-Tied मद अन्तर्गत

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना–22/2026–27

1. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,राँची।
2. परिमाण विपत्र, बिक्री की तिथि/स्थान :– दिनांक 27.06.26 को 2.00 बजे तक। विकास भवन, राँची।
3. निविदा प्राप्त करने की तिथि/स्थान :– दिनांक 29.06.26 को 3.00 बजे अपराह्न तक जिला नियंत्रण कक्ष, राँची।
4. निविदा खोलने की तिथि :– दिनांक 29.06.26 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. कार्य का विवरण।

क्र० सं०/ ग्रुप सं०	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि/ प्रशासनिक स्वीकृति की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि	यंत्र सयंत्र का स्वामित्व
1	2	2	4	5	6	7	8
1	नगड़ी	नगड़ी प्रखण्ड के पंचायत–ललगुटुवा में सुरेश दास के घर से राहुल केसरी के घर तक पी0सी0सी0 पथ का निर्माण कार्य।	43,56,100.00	87,500/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप

नोट : 1. Tender Fee, अग्रधन की राशि 2 प्रतिशत, पैन, GST Certificate, Up To date GST Return Certificate तथा निबंधन प्रमाण पत्र को स्वअभि प्रमाणित छाया प्रति अनिवार्य रूप से जमा करने के पश्चात ही निविदा पत्र (BOQ) निर्गत किया जायेगा।
2. निविदा डालते समय पथ निर्माण विभाग झारखण्ड राँची के संचिका सं० प0नि0वि0/विविध 06–33/2007 (अंश – 1) 2146 (5) दिनांक 09.09.2020 के अनुसार Performance Security उपलब्ध करायें।
3. ग्रामीण विकास विभाग/भवन विभाग का निबंधन प्रमाण पत्र का समुचित श्रेणी वाले संवेदक ही भाग ले सकेंगे।

कार्यपालक अभियंता
एन0आर0ई0पी0 – 1, राँची

PR 382636 NREP(26-27)#D

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।
सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–सुनैना कुमारी, उम्र–21 वर्ष, ऊँचाई–4 फिट 6 ईंच, साथ में सुपुत्री विष्णु प्रिया, उम्र–3 वर्ष, रंग–गोरा, पहनावा–हरा रंग का साड़ी पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला सुनैना कुमारी, उम्र–21 वर्ष, साथ में सुपुत्री विष्णु प्रिया, उम्र–3 वर्ष, पति–विक्रम चिक बड़ाईक, सा0–पाण्डु टोली, थाना–नगड़ी, जिला–राँची जो दिनांक–31.05.2026 को घर से बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में नगड़ी थाना सनहा सं0–21/2026, दिनांक–01.06.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, मु0, द्वितीय, राँची। –9431706142
थाना प्रभारी, नगड़ी, राँची। –8709370146
आवेदक विक्रम चिक बड़ाईक। –8252679822

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची।

PR 382619 Police(26-27)D

1 जुलाई को मनेगी डॉ वीपी केशरी की जयंती रांची में होगा विचार-गोष्ठी का आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: आगामी 1 जुलाई को डॉ विशेश्वर प्रसाद केशरी (डॉ वीपी केशरी) की जयंती है। रांची जिला के पिठौरिया गांव के निवासी डॉ वीपी केशरी साहित्यकार, शिक्षाविद् के साथ-साथ एक झारखंड आंदोलनकारी भी थे। सन 1987 में झारखंड समन्वय समिति गठित कर झारखंड आंदोलन को उच्च मुकाम तक पहुँचाने में अग्रिम भूमिका अदा की। अलग राज्य बनने के बाद भी राज्य की बेहतरी के लिए हमेशा सक्रीय रूप से काम करते रहे। वैश्यों के अग्रणी सामाजिक संगठन वैश्य मोर्चा को गठन काल से ही दिशा प्रदान करते रहे और विभिन्न कार्यक्रमों में उपस्थित हो कर अपना समर्थन देते रहे। हिन्दी मासिक 'वैश्य मोर्चा' पत्रिका के सलाहकार रहे और समय-समय पर अपने विचारों, लेखों से पत्रिका को समृद्ध करते रहे। 11 अक्टूबर 2009 को हरमू मैदान में आयोजित वैश्य महारैली में वैश्य मोर्चा द्वारा उन्हें 'झारखंड वैश्य रत्न' की उपाधि से सम्मानित किया गया था। यह सम्मान उन्हें भारत सरकार के तत्कालीन कोयला मंत्री प्रकाश जायसवाल (स्व.) के हाथों प्रदान किया गया था। डॉ. वीपी केशरी वैश्य मोर्चा को व्यक्तिगत तौर पर बहुत ही मानते थे और कार्यक्रमों/बैठकों में बोलते थे कि वैश्य मोर्चा ही समाज को जगा सकती है और पिछड़ों का वाजिब हक दिला सकती है। इसी आलोक में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की ओर से डॉ वीपी केशरी के जयंती दिवस पर आगामी 1 जुलाई को रांची में 'जयंती कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी' का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में कई बुद्धिजीवियों एवं झारखंड आंदोलनकारियों को भी आमंत्रित किया जायेगा। साथ ही सभी से विचार विमर्श करने के बाद वैश्य मोर्चा के आगामी कार्यक्रमों की भी घोषणा की जायेगी।

इस महती कार्यक्रम में सभी केंद्रीय पदाधिकारी, सदस्य, जिलाध्यक्ष एवं प्रकोष्ठ संगठन के पदाधिकारी शामिल होंगे। इसकी तैयारी शुरू कर दी गयी है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवसः शांति, स्वास्थ्य और एकता का वैश्विक महामंत्र

दुनिया भर में मानव सभ्यता ने 21वीं सदी में जहां तकनीकी और वैज्ञानिक मोर्चे पर अभूतपूर्व प्रगति की है, वहीं मानसिक तनाव, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां और आंतरिक अशांति जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना भी किया है। भौतिकता की अंधी दौड़ में हांफती हुई मानवता को जब एक ऐसे संबल की तलाश थी जो बिना किसी कृत्रिम साधन के शरीर, मन और आत्मा को एकाकार कर सके, तब भारत ने दुनिया को 'योग' का शाश्वत उपहार दिया। प्रत्येक वर्ष 21 जून को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस केवल कैलेंडर आयोजन नहीं बल्कि यह समूची मानवता को आरोग्य, शांति और एकात्मता के सूत्र में पिरोने का एक वैश्विक महाअभियान है। संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएन) के इतिहास में सबसे तेजी से स्वीकृत होने वाले इस प्रस्ताव की पृष्ठभूमि, इसके पीछे का दर्शन, वैज्ञानिक आधार और वैश्विक यात्रा बेहद गौरवमयी रही है। 21 जून का दिन हमें याद दिलाता है कि भले ही हमारी भाषाएं, पहनावे, देश और संस्कृतियां अलग हों लेकिन हमारी सांसें और आंतरिक चेतना एक ही हैं। योग की यह वैश्विक लहर पूरी मानवता को विनाश से विकास की ओर, अवसाद से आनंद की ओर और अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का सशक्त राजमार्ग बन चुकी है। यह आधुनिक युग का सबसे बड़ा जन-आंदोलन है, जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक संवेदनशील, स्वस्थ और जागरूक बनाएगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को वैश्विक मान्यता दिलाने का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और भारत की मजबूत सांस्कृतिक कूटनीति को जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार दुनिया के सामने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने वैश्विक नेताओं के सामने योग की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा था कि योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। यह मन और शरीर, विचार और कर्म, संयम और पूर्ति की एकात्मकता का प्रतीक है। यह मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाला है। यह केवल व्यायाम नहीं है बल्कि अपने आप में, दुनिया और प्रकृति के साथ एकात्मता की भावना को खोजने का माध्यम है। जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी यह हमारी जीवनशैली को बदल कर चेतना जागृत कर सकता है।

भारत द्वारा रखे गए इससे संबंधित प्रस्ताव का दुनिया के देशों ने अभूतपूर्व स्वागत किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के तत्कालीन स्थायी प्रतिनिधि ने प्रस्ताव संख्या 69/131 पेश की। इस प्रस्ताव को रिकॉर्ड 175 देशों का सह-प्रायोजन प्राप्त हुआ। संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में आज तक किसी भी सामान्य सभा के प्रस्ताव को इतने बड़े पैमाने पर देशों का समर्थन नहीं मिला था। बिना किसी मतदान के, सर्वसिद्ध रूप से इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया और घोषणा की गई कि हर साल 21 जून 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में महज 75 दिनों का समय लगा, जो संयुक्त राष्ट्र में अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इसी वजह से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस लगातार 12वें साल में प्रवेश कर चुका है।

योग का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। भारतीय सनातन परंपरा में भगवान शिव को 'आदिगुरु' या 'आदियोगी' माना गया है। उन्होंने ही सबसे पहले हिमालय पर कांति सरोवर के तट पर अपने सात शिष्यों (सप्तऋषियों) को योग का गूढ़ ज्ञान दिया था। यही ज्ञान बाद में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फैला। वेदों (विशेषकर ऋग्वेद) और उपनिषदों में योग का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण ने योग को परिभाषित करते हुए कहा है कि कर्मों में कुशलता ही योग है। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत की 'युज' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है-जुड़ना, एकत्र होना या मिलना। आध्यात्मिक स्तर पर इसका अर्थ जीवात्मा का परमात्मा से मिलन है, जबकि व्यावहारिक स्तर पर यह शरीर, मन और चेतना के बीच पूर्ण सामंजस्य स्थापित करने की कला है। यानी शरीर, मन और चेतना का पूर्ण संतुलन योग के माध्यम से ही है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून की तारीख का चयन कोई संयोग नहीं बल्कि इसके पीछे गहरा भौगोलिक और आध्यात्मिक महत्व है। ग्रीष्म संक्रांति जून उत्तरी गोलार्ध का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन सूर्य की किरणें पृथ्वी पर सबसे लंबे समय तक रहती हैं। इसे 'ग्रीष्म संक्रांति' कहा जाता है। भारतीय खगोल विज्ञान और अध्यात्म के अनुसार, 21 जून के बाद सूर्य दक्षिणायन की ओर बढ़ने लगता है। दक्षिणायन के समय को आध्यात्मिक साधनाओं और आत्म-निरीक्षण के लिए बेहद अनुकूल माना जाता है। इसकी पृष्ठभूमि में यह भी मान्यता है कि ग्रीष्म संक्रांति के बाद आने वाले पहले चक्र (पूर्णिमा) पर ही आदिगुरु शिव ने सप्तऋषियों को योग की दीक्षा दी थी, जिसे 'गुरु पूर्णिमा' के रूप में भी मनाया जाता है। वहीं, जिस प्रकार 21 जून का दिन साल का सबसे लंबा दिन होता है और सूर्य की ऊर्जा चरम पर होती है, उसी प्रकार योग भी मनुष्य को दीघार्यु और असीमित ऊर्जा प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को एक 'विश्व गुरु' और 'वैश्विक कल्याणकर्ता' के रूप में स्थापित किया है। योग ने भौगोलिक सीमाओं, धर्मों, जातियों और राजनीतिक विचारधाराओं की दीवारों को तोड़ दिया है। आज अमेरिकी राष्ट्रपति के व्हाइट हाउस से लेकर एफिल टॉवर (पेरिस) और चीन की महान दीवार तक, हर जगह योग दिवस पर योगाभ्यास की तस्वीरें देखी जाती है। वैश्विक स्तर पर योग के प्रसार से भारत में वैलनेस टूरिज्म का तेजी से विकास हुआ है। ऋषिकेश, मैसूर और केरल जैसे क्षेत्र वैश्विक योग हब बन चुके हैं। योग मैट, परिधानों और ऑर्गेनिक उत्पादों का वैश्विक बाजार अरबों डॉलर का हो चुका है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने योग को जन-आंदोलन बना दिया है लेकिन अभी भी कुछ चुनौतियां हैं। वैश्विक स्तर पर योग के कई विकृत रूप जैसे 'हॉट योग', 'बीयर योग' आदि सामने आए हैं। योग के मूल आध्यात्मिक और वैज्ञानिक स्वरूप को बचाए रखना बड़ी चुनौती है। कई लोग योग को केवल 21 जून के एक दिन का उत्सव मान लेते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि इसे 'कैलेंडर इवेंट' से निकाल कर दिनचर्या में शामिल किया जाए। भविष्य में योग को स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम, कॉर्पोरेट कार्य संस्कृति और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए ताकि एक स्वस्थ और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण हो सके।

आईआईटी की दहलीज पर बेटियों की रिकॉर्ड दस्तक

चार जून को प्रकाशित हुए अखबारों में प्रमुख रूप से इस खबर को प्रकाशित किया कि इस बार जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में पहली बार लगभग 10,000 लड़कियों ने पास की है। इस परीक्षा में कुल 56,880 अभ्यर्थी सफल हुए जिनमें से 10,107 सफल लड़कियां शामिल हैं। इन आकड़ों में लगभग चार अभ्यर्थियों में से एक अभ्यर्थी लड़की है।

प्रतिभा कुशवाहा

हाल ही में जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में लड़कियों की शानदार सफलता की जो खबरें आईं हैं, उसने एसटीईएम (स्टेम) यानी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में महिलाओं के भविष्य की तस्वीर साफ होने लगी है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में आधी आबादी के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। देश में इंजीनियरिंग यानी आईआईटी में शिक्षा एक पुरूष प्रधान क्षेत्र बना हुआ है। हमारे घरों में जो बच्चियों की शिक्षा को लेकर मुखर हैं, वे भी अपने बेटों को इंजीनियर और बेटियों को डाक्टर बनाना पहली प्राथमिकता में रखते हैं। फिर भी यह सफलता हमारे घरों की बदलती सोच और आर्थिक व्यवस्था के कुछ सुराग तो दे ही रहा है। चार जून को प्रकाशित हुए अखबारों में प्रमुख रूप से इस खबर को प्रकाशित किया कि इस बार जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में पहली बार लगभग 10,000 लड़कियों ने पास की है। इस परीक्षा में कुल 56,880 अभ्यर्थी सफल हुए जिनमें से 10,107 सफल लड़कियां शामिल हैं। इन आकड़ों में लगभग चार अभ्यर्थियों में से एक अभ्यर्थी लड़की है। यह ऐतिहासिक सफलता केवल परीक्षा परिणामों का आंकड़ा मात्र नहीं है, वरन हमारे समाज में शिक्षा, अवसर और लैंगिक समानता के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन का संकेत भी है। यह सफलता महिलाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्रों में एक ह्यपुशह्ल के तौर पर देखा जा रहा है। आज एआई, डेटा साइंस, रोबोटिक्स और नई तकनीकों ने पूरे समाज, संस्कृति और अर्थिकीय को अपने आगोश में ले रखा है, इससे आधी आबादी का दूर रहना एक बहुत बड़े सामाजिक असंतुलन के रूप में सामने आ सकता है। ऐसे में जेईई एडवांस्ड-2026 के परिणाम भविष्य में देश की नई तस्वीर का निर्माण कर सकते हैं। हालांकि अभी भी शीर्ष रैंकों और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। मात्र इस तरह की और भी सफलताओं से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जा सकती है। महिलाओं के जीवन में इतने पड़ाव आते हैं कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्रों में पढ़ने-लिखने के बाद भी अपना योगदान देने से वे वंचित रह जाती हैं। आर्थिक तौर पर यह पढ़ाई महंगी होती है, देश इन क्षेत्रों में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई तरह की आर्थिक सहायता भी देता है। अगर कार्यक्षेत्र तक महिलाएं आगे नहीं आ सकेंगी, तो नुकसान हमारे समाज और देश का ही ज्यादा होगा। जनवरी, 2026 को राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार देश में उच्च शिक्षा स्तर स्टेम विषयों में महिलाओं की कुल हिस्सेदारी 43 फीसदी है। इसी तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की अनुसंधान और विकास सांख्यिकी रिपोर्ट-2023 के अनुसार देश में अनुसंधान और विकास गतिविधियों में स्टेम पेशेवरों के रूप में कुल महिला कार्यबल की हिस्सेदारी 18.6 फीसदी है। इनमें से 45.8 फीसदी सरकारी संस्थानों में, 27.6 फीसदी उच्च शिक्षा क्षेत्र में और 26.5 फीसदी औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत हैं। इन आंकड़ों से भी पता चल रहा है कि जितनी महिलाएं स्टेम विषयों को लेकर अपना करियर बनाने का पथ चुन रही हैं, उतनी महिलाओं कार्यक्षेत्र तक नहीं पहुंच पा रही हैं। यूनेस्को का अपनी रिपोर्ट में मानना है कि भारत में एसटीईएम ग्रेजुएट में महिलाओं की भागीदारी 43 फीसदी है, जबकि इन क्षेत्रों में उनकी नौकरियों में भागीदारी मात्र 14 फीसदी है। तो प्रश्न उठता है कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित पढ़ी हुई महिलाएं गुम कहां हो जाती हैं? क्या समाज और संस्कृति की गहरी जड़ें जमा चुकी परंपराएं और मान्यतागत भेदभाव कहीं न कहीं इन क्षेत्रों में महिलाओं के रोजगार में बाधा बन जाते हैं। पारंपरिक जेंडर भूमिकाएं इस क्षेत्र में करियर बना रही महिलाओं को बहुत हद तक हतोत्साहित करते हैं, क्योंकि यह क्षेत्र महिलाओं से अधिक समय और प्रतिबद्धता की मांग करता है। कई परिवार चाहते हैं कि उनकी बहु और बेटी इस क्षेत्र में पढ़े तो, पर रिसर्च की जगह वह टीचिंग जैसा स्थिर और स्मूथ करियर ऑप्शन चुनें। जेंडर सेंसटिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी भी कार्यस्थल पर महिलाओं को यह क्षेत्र छोड़ने पर मजबूर कर देती हैं। यही स्टीरियोटाइप सोच इंजीनियरिंग और फिजिक्स को पुरुष प्रधान क्षेत्र बना देती है।

सिस्टम में इतने लूपहोल होने के बावजूद यदि इन क्षेत्रों में महिलाओं की सफलता की बात की जाए, तो 2013 का मंगल मिशन और 2019 का चंद्रयान-2 मिशन अपनी एक अलग ही ऐतिहासिक उपलब्धि से हमें गौरवान्वित करता है। चंद्रयान-2 मिशन की कमान संभालने वाली दो महिला वैज्ञानिक ऋतु करीधल और एम. वनिता को कौन भूल सकता है। इसरो की वैज्ञानिक ऋतु करीधल चंद्रयान-2 मिशन की डायरेक्टर थीं और एम. वनीता इस मिशन की प्रोजेक्ट डायरेक्टर। इनकी अथक मेहनत का फल है कि आज देश अंतरिक्ष क्षेत्र में इतनी बड़ी उपलब्धि को सेलिब्रेट कर सका। इससे पहले 2013 में मंगल मिशन की सफलता का जश्न देश मना चुका है। इस मिशन में आठ महिला वैज्ञानिकों ने अपनी खास भूमिका निभाई थी। इस विषय को आधार बनाकर एक फिल्म ह्यमिशन मंगलह्ल भी बन चुकी है।

चंद्रयान-2 मिशन में इन दो महिला वैज्ञानिक के अलावा और भी महिला वैज्ञानिकों का साथ मिला। इस प्रोजेक्ट में 30 फीसदी महिला वैज्ञानिकों की अथक परिश्रम शामिल है। चंद्रयान-2 मिशन में मौमिता दत्ता, नंदिनी हरिनाथ, एन. वलारमथी, मीनल संपथ, कीर्ति फौजदार और टेसी थॉमस जैसी दूसरी महिला वैज्ञानिक शामिल हैं। इस उपलब्धि को बांटते हुए इसरो के चेयरमैन के. सिवन ने उस समय मीडिया से कहा था कि हम पुरुष और महिला वैज्ञानिकों में अंतर नहीं समझते हैं। जो भी सक्षम होता है, उसे बेहतरीन काम सौंपा जाता है। यहीं सवाल उठता है तो फिर महिलाओं की इस सक्षमता को ह्यब्रेकह्ल कौन लगा जाता है?

छात्र शक्ति और बिहार आंदोलन का संदेश

खास बात यह है कि इसी उम्र के बच्चे, जिनके लिए जेन जेड (जनरेशन जेड) यानी 1997 से 2012 के बीच पैदा होने वाले छात्र-युवाओं ने पड़ोस के तीन देशों की सरकारें बदल दी। वैसे उन देशों में भी बदलाव बहुत सार्थक होता नहीं दिख रहा है। भारत जैसे विशाल देश में इस तरह के आंदोलन की कल्पना कठिन है लेकिन इतना तय है कि मजबूत विपक्ष की गैरहाजिरी में देश के छात्र-युवा को ही सार्थक विपक्ष की भूमिका निभानी होगी।

मनोज कुमार मिश्र

आजादी के आंदोलन के बाद बिहार के छात्र आंदोलन को देश के इतिहास में सबसे प्रभावशाली माना गया। इस आंदोलन ने देश की सबसे ताकतवर नेता मानी जाने वाली यानी तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को न केवल सत्ता से बेदखल किया बल्कि उनको अपनी खुद की सीट से पराजय का सामना करना पड़ा। यह अलग बाद है कि सत्ता पर काबिज नेताओं के आपसी कलह और स्वार्थ ने जनता पार्टी के प्रयोग को विफल कर दिया और इंदिरा गांधी सत्ता में वापस आ गई। उसके बाद असम विदेशी घुसपैठ विरोधी आंदोलन से लेकर 2011 के समाजसेवी अण्णा हजारे की अगुवाई में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन समेत कई आंदोलनों की अगुवाई छात्र-युवाओं ने ही की। इन आंदोलनों की विफलता ने जन आंदोलनों के पक्षधर लोगों के विश्वास पर ही आघात कर दिया। इसका परिणाम हुआ कि अभी सोशल मीडिया के दम पर बनी कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन शुरू होने से पहले ही समाप्त होने लगा। जबकि नीट पेपर लीक और सीबीएसई की परीक्षा प्रणाली जैसे मुद्दे देश के हर कोने में रहने वाले लाखों छात्र-छात्राओं से सीधा जुड़ा है।

खास बात यह है कि इसी उम्र के बच्चे, जिनके लिए जेन जेड (जनरेशन जेड) यानी 1997 से 2012 के बीच पैदा होने वाले छात्र-युवाओं ने पड़ोस के तीन देशों की सरकारें बदल दी। वैसे उन देशों में भी बदलाव बहुत सार्थक होता नहीं दिख रहा है। भारत जैसे विशाल देश में इस तरह के आंदोलन की कल्पना कठिन है लेकिन इतना तय है कि मजबूत विपक्ष की गैरहाजिरी में देश के छात्र-युवा को ही सार्थक विपक्ष की भूमिका निभानी होगी। अगर एक वाक्य में कहें तो यही 1974 के बिहार आंदोलन का संदेश है।

इतना ही नहीं, इस आंदोलन के कई संदेश आज भी सामयिक हैं। यह आम धारणा है कि नवंबर 1973 में गुजरात के एक इंजीनियरिंग कालेज के छात्रावास की फीस बढ़ने के खिलाफ छात्रों का आंदोलन शुरू हुआ जो गुजरात की चिमन भाई पटेल सरकार के भ्रष्टाचार, कुशासन और मंहगाई के खिलाफ स्वतः स्फूर्त प्रदेश भर का आंदोलन बन गया। जिसे गुजरात नव निर्माण आंदोलन कहा गया।

हालांकि बिहार आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्र नेताओं के अगुवा रामबहादुर राय (वर्तमान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष और पद्मभूषण से सम्मानित) बताते हैं कि कहने के लिए बिहार आंदोलन गुजरात से प्रेरणा लेकर शुरू हुआ लेकिन वास्तव में बिहार आंदोलन की तैयारी लंबे समय से चल रही थी। लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी) ने काफी समय बाद आंदोलन का नेतृत्व करना स्वीकारा, वास्तव में उसके काफी समय पहले से उनसे (रामबहादुर राय) और दूसरे छात्र नेता मिलकर आंदोलन की तैयारी की जानकारी देते रहे। राय साहब आंदोलन की 11 सदस्यों की संचालन समिति के सदस्य भी थे। गुजरात आंदोलन में भी सबसे बड़ी भूमिका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके छात्र संगठन-अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ही थी। बिहार आंदोलन की भूमिका बनाने में भी संघ के बड़े नेताओं के साथ-साथ तब संघ के पटना महानगर प्रचारक रहे केएन गोविंदाचार्य आदि का था। गोविंद जी बाद में परिषद और भाजपा में बड़े पदों पर रहे। उनकी और राय साहब की जोड़ी बिहार आंदोलन का नेतृत्व करने वालों में अगली पंक्ति में थी।

उस आंदोलन में छात्र-युवाओं के समर्पण का गजब अनुभव हुआ। सभी को पता है कि जेपी ने बिहार आंदोलन की अगुवाई करना तभी स्वीकारा जब उन्हें विश्वास दिलाया गया कि आंदोलन पूरी तरह से अहिंसक होगा। इसका ऐसा असर हुआ कि जो छात्र पहले पुलिस को देखते ही हाथों में ईंट-पत्थर उठा लेते थे। वही छात्र पुलिस की लाठी-गोलियों के बीच नारे लगाते थे कि ह्यहमला चाहे जैसा भी हो हाथ हमारा नहीं उठेगा।ह्य इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाने का फैसला एक दिन में नहीं किया। 1971 में पाकिस्तान को विभाजित करके स्वतंत्र बांग्लादेश बनवाने में उनकी बड़ी भूमिका थी। इस सफलता के बाद उनका राजनीतिक कद देश में ही नहीं दुनिया में काफी बड़ा हो गया था। उनके फैसलों पर किसी को सवाल करने की हिम्मत न थी। आपातकाल लगने की मुख्य वजह तो उनके खिलाफ 12 जून, 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा का उनके 1971 के लोकसभा चुनाव को अवैध घोषित करने का फैसला माना जाता है लेकिन वास्तव में कई और कारण भी थे। वे अपने को किसी चुनौती से परे मानने लगी थीं। दूसरा कारण कांग्रेस की गुजरात की चिमन भाई मेहता की सरकार के खिलाफ छात्रों का नव निर्माण आंदोलन भी एक प्रमुख कारण बना। उस आंदोलन को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने पूरे प्रदेश का आंदोलन बनाया। यही काम परिषद ने फरवरी-मार्च, 1974 में बिहार में किया।

26 जून, 1976 की तारीख को बार-बार याद करना इसलिए जरूरी है ताकि इस दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश पर शासन करने वाला निरंकुश न हो। फिर से कोई शासक अपने को तानाशाह न मान बैठे और गुलामी से मुक्ति की लंबी लड़ाई के बाद मिली आजादी को संविधान के मौलिक अधिकारों के साथ देश की जनता जीवन यापन कर पाए। तब के राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद से 25 जून, 1975 की आधी रात को के देश में आपातकाल लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर कराकर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 26 जून, 1975 की सुबह खुद रेडियो पर आकर देश में आपातकाल लगाने की घोषणा की। इस घोषणा के साथ ही देश की जनता को संविधान से मिले नागरिक अधिकारों को रद्द कर दिया गया। जयप्रकाश नारायण से लेकर विपक्ष के सभी बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अखबारों पर सेंसरशिप लगा दिया गया। 19 महीने देश जेलखाना बना रहा। लोगों के बोलने, लिखने आदि पर रोक लगा दी गई। अनुशासन के नाम पर लोगों को तरह-तरह से यातनाएं दी गई। कानून की अपने हिसाब से व्याख्या करने की कोशिश की गई।

इससे पहले जिस दिन 12 जून, 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित किया था, उसी दिन गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे आए। उस चुनाव में कांग्रेस पराजित हुई और विपक्षी गठबंधन की जनता मोर्चा चुनाव जीती। इंदिरा गांधी के करीबी सिद्धार्थ शंकर राय उनके चुनाव को अवैध घोषित किए जाने के खिलाफ नामी वकील नानी पालकीवाला के साथ मिलकर सुप्रीम कोर्ट के अवकाशकालीन पीठ में याचिका दायर की। पीठ के न्यायाधीश वीआर कृष्ण अय्यर ने 24 जून को इंदिरा गांधी की सदस्यता तो बहाल नहीं की लेकिन उन्हें प्रधानमंत्री बनाए रखने का आदेश दिया। दूसरी ओर इंदिरा गांधी पर कुर्सी छोड़ने के लिए दबाव बनाने को लेकर जनसंघ, लोकदल, सोशलिस्ट पार्टी और कांग्रेस (ओ) ने मिल कर मोर्चा बनाया। इस मोर्चा को जयप्रकाश नारायण का संरक्षण था। मोरारजी देसाई इस मोर्चा के अध्यक्ष और नानाजी देशमुख महासचिव बनाए गए। 20 जून को बने जनता मोर्चा ने 25 जून को रामलीला मैदान में रैली की। उस रैली को असफल करने की सरकार की हर कोशिश विफल रही। उसी रैली के समापन के साथ ही जयप्रकाश नारायण समेत अनेक बड़े नेताओं की गिरफ्तारी हुई। अगली सुबह खुद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाने की विधिवत घोषणा की।

अमावस्या पर क्यों है बाल धोने की मनाही? जानें क्या कहता है हमारा धर्म शास्त्र

हिंदू धर्म में किसी भी अमावस्या तिथि का विशेष महत्व होता है। वहीं साल में 12 अमावस्या तिथियां होती हैं और सभी तिथियों का अपना अलग-अलग महत्व होता है। माना जाता है कि अमावस्या तिथि पर पितरों की शांति के लिए कुछ विशेष उपाय किए जाते हैं। जिससे जातक के जीवन में शुभता बनी रहती है और पितृ दोषों से मुक्ति मिलती है। अमावस्या तिथि को लेकर कई नियम भी बनाए गए हैं। माना जाता है कि अगर आप इन नियमों का पालन नहीं करती हैं, तो आपके जीवन में कई समस्याएं भी आ सकती हैं। अमावस्या पर इन नियमों का पालन न करने से पितृ दोष लग सकता है। मान्यता है कि किसी भी अमावस्या तिथि पर सुहागिन महिलाओं को बाल नहीं धोना चाहिए और इस दिन न ही बालों में तेल लगाना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या सच में अमावस्या तिथि को बाल धोना शुभ नहीं माना जाता है।

अमावस्या पर बाल धोना अशुभ

धार्मिक मान्यता है कि कभी भी अमावस्या तिथि को बाल नहीं धोना चाहिए। इस दिन बाल धोना शुभ नहीं माना जाता है। अगर महिलाएं अमावस्या के दिन बाल धोती हैं, तो घर में कलह-कलेश होता है और धन हानि के भी योग बनते हैं। पैसा गलत जगह पर खर्च होने लगता है। वहीं अमावस्या को यदि कोई विवाहिता बाल धोती है, तो उसके मायके में समस्याएं आ सकती हैं। बाल धोने को लेकर फैले इस भ्रम की असली वजह बालों का टूटना माना जाता है। इसदिन बाल धोने से ज्यादा अशुभ बालों का टूटना माना जाता है।

जानिए क्या कहते हैं शास्त्र

शास्त्रों की बात की जाए, तो बाल धोने के कुछ नियमों में से एक नियम यह भी है कि अमावस्या तिथि को बाल नहीं धोना चाहिए। सुहागिन महिलाओं को खास तौर पर इस दिन बाल नहीं धोने चाहिए। क्योंकि बाल धोने के बाद सिंदूर लगाया जाता है और अमावस्या तिथि को बालों में सिंदूर भी नहीं लगाया जाता है। वहीं सुहागिन महिलाओं को अन्य कुछ दिनों में भी बाल धोने की मनाही होती है। जैसे गुरुवार, मंगलवार और शनिवार को बाल नहीं धोना चाहिए। यह प्रथा प्राचीन समय से चली आ रही है। जब लोग नदियों में स्नान करते थे। अमावस्या तिथि पर बाल धोने पर पानी गंदा हो जाता था, इसलिए लोग नदियों में स्नान के लिए जाते थे, तो उनको कोई समस्या न हो। इस कारण ऐसे नियम बनाए गए थे। आज भी अमावस्या तिथि पर उन्हीं नियमों का पालन किया जाता है।

क्या गंदे बाल धो सकते हैं

माना जाता है कि अगर आपको पूजा से पहले बाल धोए बिना शुद्धिकरण नहीं लगता है। तो इस स्थिति में आप अमावस्या से एक दिन पहले बाल धो लें। वहीं अगर आपको लगता है कि सिर से पूरा स्नान किए बिना शुद्धि हुई है, तो आप इस दिन स्नान करने के बाद बाल न धोएं और बालों में सिर्फ पानी छिड़क लें।

अगर आप किसी कारण इस दिन बालों को धो रही हैं, तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। जैसे अमावस्या को पूरे बालों को खोलकर नहीं धोना चाहिए बल्कि सिर्फ सिर पर पानी डालकर हल्का सा साफ करें, इससे आप शुद्ध हो जाएंगी और मान्यताओं का पालन भी होगा।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

संताल परगना क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का रंगारंग समापन

साहिबगंज : संताल परगना क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का तीन दिवसीय आयोजन बुधवार को पुलिस लाइन मैदान में रंगारंग समापन के साथ संपन्न हो गया।प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए देवघर जिला बल ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया।जबकि मेजबान साहिबगंज जिला बल उपविजेता रहा।समापन समारोह में डीआईजी संताल परगना रेंज अंबर लकड़ा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अन्य अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल,ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।इस अवसर पर डीआईजी ने आगामी खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन हेतु जामताड़ा जिला को खेल ध्वज सौंपा।अपने संबोधन में डीआईजी अंबर लकड़ा ने पुलिसकर्मियों से नियमित रूप से खेलकूद गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य,मानसिक मजबूती और बौद्धिक क्षमता के विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है।उन्होंने नशा उन्मूलन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहना चाहिए तथा स्कूलों,कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता अभियान चलाकर समाज को नशामुक्त बनाने में योगदान देना चाहिए।प्रतियोगिता के अंतिम दिन एथलेटिक्स क्रिकेट फुटबॉल समेत विभिन्न खेलों के फाइनल मुकाबले आयोजित किए गए। समापन समारोह में संताल परगना के सभी छह जिलों के खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। शाम को शानदार आतिशबाजी के बीच प्रतियोगिता का समापन हुआ।इस दौरान तकनीकी पदाधिकारियों, टीम मैनेजरों एवं अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में साहिबगंज के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह,देवघर एवं जामताड़ा के पुलिस अधीक्षक सहित बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी और खिलाड़ी उपस्थित थे।

बरहेट के पंचकठिया बाजार में सीएसपी से साढ़े तीन लाख की लूट

साहिबगंज : झारखंड के साहिबगंज जिले के बरहेट थाना क्षेत्र स्थित पंचकठिया बाजार में बुधवार सुबह करीब 9 बजे अपराधियों ने एक सीएसपी सेंटर में धावा बोलकर साढ़े तीन लाख रुपये लूट लिए। सीएसपी संचालक मेरा कुमारी के पति विपिन कुमार केंद्र में झाड़ू लगा रहे थे। तभी एक युवक ने पीछे से आकर धक्का देकर गिरा दिया और काउंटर से करीब साढ़े तीन लाख रुपये निकाल लिए। बाहर खड़े साथी के साथ मोटरसाइकिल से फरार हो गया। सूचना पर एसआई बिट्टू कुमार साह और एएसआई अशोक कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास पूछताछ कर रही है। दिनदहाड़े हुई वारदात से व्यापारियों में दहशत है। पुलिस ने जल्द गिरफ्तारी का दावा किया है।

जेजेए तीनपहाड़ जॉन का हुआ गठन

साहिबगंज/तीनपहाड़ : तीनपहाड़ में बुधवार को झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन जेजेए की बैठक आयोजित कि गई।बैठक की अध्यक्षता जेजेए के प्रदेश सचिव अरविंद ठाकुर ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य जेजेए संगठन के मजबूती के साथ अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ,सचिव,कोषाध्यक्ष पद का चयन किया।इस दौरान सर्वसम्मति से अध्यक्ष के पद पर बिकास कुमार सिंह उर्फ बिक्की उपाध्यक्ष मिथुन यादव,सचिव शशि कान्त यादव,उपसचिव महताब आलम एवं कोषाध्यक्ष सपन कुमार को नियुक्त किया गया।वही कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सुधीर विश्वास और अभिषेक कुमार का चयन किया गया।संगठन में अध्यक्ष के तौर पर चयनित अध्यक्ष बिकास कुमार सिंह ने कहा कि आये दिन पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है वही सच्चाई वाली खबर उजागर किए जाने की वजह से फर्जी मुकदमे में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी जाती है जबकि पत्रकार सामाजिक बुराईयों, मसलों, और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर मामलों को उद्भेदन करने में जिम्मेदारी निभाते हैं। इसलिए अब जेजेए के नेतृत्व में जॉन स्तर से लेकर राज्य स्तर तक पत्रकारों को एकसाथ लाने का प्रयास किया जा रहा है।वही पद पर निर्वाचित किए सभी सदस्यों कहा कि संगठन ओर पत्रकारों के हर मुशकिल वक्त में साथ रहूँगा ताकि पत्रकारों के कठिनाइयों का सामना करना न पड़े, और बिना डर के पत्रकारिता कर सके।

आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम हमला अत्यंत निंदनीय : संत कुमार घोष

साहिबगंज/राजमहल : हिन्दू धर्म रक्षा मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर रांची के निवारणपुर स्थित संघ कार्यालय पर बीती रात पेट्रोल बम फेंके जाने की घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है।उन्होंने इसे अत्यंत निंदनीय कायरक्तापूर्ण एवं लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला करार दिया है।केन्द्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने कहा,₹राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र निर्माण,सामाजिक समरसता एवं सेवा कार्यों के लिए समर्पित संगठन है।ऐसे संगठन के कार्यालय को निशाना बनाना समाज में भय और अस्थिरता का वातावरण उत्पन्न करने का एक सुनियोजित प्रयास प्रतीत होता है।₹उन्होंने झारखंड सरकार और पुलिस प्रशासन से अविलंब कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि इस कायराना हरकत के दोषियों की शीघ्र पहचान कर उन्हें कठोरतम कानूनी दंड दिया जाए।साथ ही,इस पूरे षड्यंत्र के पीछे सक्रिय सभी असामाजिक तत्वों और ताकतों का पदार्फाश होना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।श्री घोष ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड की शांतिप्रिय जनता किसी भी प्रकार की हिंसा,अराजकता और वैचारिक आतंक को कभी स्वीकार नहीं करेगी।कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

लंबित कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करें : उपायुक्त

जनहित और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला समन्वय समिति की मासिक समीक्षात्मक बैठक में आयोजित की गई। बैठक मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।बैठक के दौरान उपायुक्त ने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षा के क्रम में बोरियो क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की स्थिति पर चर्चा करते हुए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

नगर परिषद साहिबगंज एवं नगर पंचायत बरहरवा अंतर्गत प्रस्तावित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट परियोजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने भूमि हस्तांतरण एवं वन स्वीकृति से संबंधित प्रक्रियाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया। शिक्षा विभाग को विद्यालय मरम्मती एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में नामांकन के पश्चात रिक्त सीटों को लेकर आवश्यक निर्देश दिये।महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त सेविका सहायिका पदों पर शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने पीएम-जनमन योजना अंतर्गत स्वीकृत आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण

कार्य में गति लाने मानदेय भुगतान पोषाहार की नियमित उपलब्धता अभिश्रव के यथाशीघ्र नियमानुसार भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभुकों का विभागीय दिशा निर्देशों के आलोक में शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। जबकि पर्यटन प्राधिकार गठन न्यायालयों में लंबित वाद, लघु सिंचाई गणना की प्रगति सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया। जिसमें विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने हेतु अभिलेखों एवं प्रस्तावों को शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इनमें बरहेट प्रखंड में 2500 एमटी क्षमता के गोदाम निर्माण, होमगार्ड कार्यालय सह परिसर बालिका गृह निर्माण नगर पालिका कार्यालय के नव निर्माण डटीआरडब्ल्यू निर्माण सहित अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। उपायुक्त ने कहा कि इन योजनाओं के लिए भूमि संबंधी प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि परियोजनाओं का कार्य समयबद्ध रूप से प्रारंभ किया जा सके।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं विभिन्न थाना प्रभारी उपस्थित थे। बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करते हुए जनहित एवं विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

जिले में तीन दिवसीय विशेष प्रमाण-पत्र शिविर का हुआ समापन

तीन दिनों में कुल 12,516 आवेदन प्राप्त, 3,899 आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि पूर्ण

साहिबगंज : आगामी शैक्षिक सत्र, विभिन्न नियुक्तियों, छात्रवृत्तियों तथा अन्य सरकारी योजनाओं के लिए आवश्यक जाति आय व स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र समय पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, साहिबगंज द्वारा जिले की सभी पंचायतों में आयोजित तीन दिवसीय विशेष प्रमाण-पत्र शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हो गया।यह विशेष शिविर दिनांक 15 जून से 17 जून 2026 तक पंचायत सचिवालय स्तर पर आयोजित किया गया।जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के माध्यम से प्रमाण-पत्र आवेदन प्रक्रिया को सरल पारदर्शी एवं सुगम बनाते हुए आमजन को उनके पंचायत स्तर पर ही सुविधा उपलब्ध कराई गई।शिविर के दौरान प्रतिनियुक्त कर्मियों एवं वीएलई सीएससी संचालकों द्वारा आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कर झारसेवा पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन दर्ज किए गए तथा आवेदकों को तत्काल प्राप्ति रसीद उपलब्ध कराई गई।प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार जिलेभर में तीन दिनों में कुल 12,516 आवेदन प्राप्त हुए।जिनमें जाति प्रमाण-पत्र हेतु 5,236 आवेदन,स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र हेतु 6,522 आवेदनआय प्रमाण-पत्र हेतु 758 आवेदन प्राप्त हुए।शिविर के दौरान प्राप्त आवेदनों में से अद्यतन 3,899 आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि भी की जा चुकी है।जिनमें जाति प्रमाण-पत्र 1,637 आवेदन,स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र 2,017, आवेदन,आय प्रमाण-पत्र 245 आवेदन ।शेष प्राप्त आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि निष्पादन की प्रक्रिया भी तेजी से की जा रही है। ताकि पात्र आवेदकों को समयबद्ध तरीके से प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया जा सके। जिला प्रशासन साहिबगंज द्वारा इस विशेष अभियान की सफलता में योगदान देने वाले सभी प्रखंड प्रशासन, पंचायत प्रतिनिधियों, राजस्व कर्मियों, वीएलई सीएससी संचालकों एवं आम नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया है। जिला प्रशासन भविष्य में भी आमजन को सरकारी सेवाओं का लाभ सुगमता व पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध है।

साहिबगंज के आमों की सुगंध और स्वाद ने बिखेरी पहचान

संवाददाता

साहिबगंज : ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार एवं झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत जिला टाउन हॉल साहिबगंज में आम उत्सव-सह-बागवानी मेला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त साहिबगंज सतीश चंद्रा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर जिले के सभी प्रखंडों से आए कृषकों एवं लाभुकों द्वारा विभिन्न किस्मों के आमों की आकर्षक प्रदर्शनी एवं बिक्री की गई।मेले में मालदा आम्रपाली फाजली, लखनी सहित अनेक प्रसिद्ध और गुणव त्तायुक्त आमों की किस्में प्रदर्शित की गईं। जिन्होंने आगंतुकों को विशेष रूप से आकर्षित किया।मेले के दौरान लगभग 1000 किलोग्राम आमों की बिक्री हुई, जिससे स्थानीय उत्पादों के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि एवं किसानों की मेहनत को नई पहचान मिली। कार्यक्रम ने जिले के बागवानी उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और किसानों की आय वृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त ने आम उत्पादकों एवं स्वयं सहायता समूहों को उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि निकट भविष्य में साहिबगंज के आमों को राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित मार्ट एवं विपणन केंद्रों के माध्यम से व्यापक बाजार उपलब्ध कराया जाएगा।जिससे जिले के आमों को नई पहचान एवं बेहतर मूल्य प्राप्त हो सकेगा।यह आयोजन न केवल किसानों और बागवानों के लिए विपणन का एक सशक्त मंच साबित हुआ बल्कि साहिबगंज की समृद्ध बागवानी परंपरा एवं उत्कृष्ट आम उत्पादन क्षमता को भी व्यापक रूप से प्रदर्शित करने का अवसर बना। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूहों की दीदियाँ, कृषक एवं बड़ी संख्या में आम प्रेमी उपस्थित रहे।

बिहारी बालिका उच्च विद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर मिली उपलब्धि

संवाददाता

हजारीबाग : भारत सरकार के स्वच्द हरित विद्यालय मिशन के तहत जिले के बिहारी बालिका उच्च विद्यालय ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए देशभर में 21वां तथा झारखंड में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय की इस सफलता से जिले में खुशी का माहौल है। बताया जाता है कि स्वच्छ हरित विद्यालय मिशन का मकसद विद्यालयों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, हरित परिसर, कचरा प्रबंधन तथा विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरुकता विकसित करना है। इसी दिशा में बिहारी बालिका उच्च विद्यालय द्वारा वर्षो से प्रयास किया जा रहा था। इस प्रयास का नतीजा है कि विद्यालय इस मुकाम तक पहुंचने में सफल रहा। विद्यालय परिसर की स्वच्छता, पौधारोपण, वर्षा जल संचयन, प्लास्टिक मुक्त वातावरण तथा विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी मूल्यांकन के दौरान ही अंदेशा जताया जा रहा था कि इस वर्ष स्कूल के लिए जरूर उपलब्धि मिलेगी। विद्यालय की इस उपलब्धि पर जिले के डीइओ प्रवीण रंजन ने कहा कि यह विद्यालय अन्य के लिए प्रेरणाश्रोत का काम करेगा। इससे अन्य विद्यालयों को भी स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने की प्ररणा मिलेगी। उन्होंने स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक, शिक्षक एवं छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास का नतीजा है।

रोहिणी नक्षत्र हुआ समाप्त खेतों में किसान नहीं डाल पाए धान बीज

बरकट्ठा : आसमान में कभी बादल की धुंध दिखाई पड़ता है लेकिन बारिश नहीं होने से रोहिणी नक्षत्र समाप्त होने के बाद भी किसान अपने खेतों में धान के बीज अभी नहीं डाल पाए हैं। इससे किसानों में इसका मलाल उनके चेहरे पर साफ झलकता दिख रहा है। गौरतलब हो कि 15 दिनों पहले हल्की बारिश हुई। इसके बाद तेज धूप निकलने से खेतों की नमी समाप्त हो गई है। किसान आसमान में कभी कभी बादल के धुंध दिखने के बाद बारिश की टकटकी लगा बैठते हैं। लेकिन बारिश नहीं होने से उदास हो जाते हैं। इधर किसानों ने कहा कि मौसम विज्ञान के रोज के अपडेट के मुताबिक बताया जाता है कि तेज हवा और गर्जन के साथ बारिश होगी। लेकिन सारे दावे फेल हो जा रहे हैं। किसान बताते हैं कि रोहिणी नक्षत्र में पहले अच्छी बारिश होती थी और किसान धान बीज समेत मकई, मडुआ, उरीद आदि बीज को खेतों में डाल दिया जाता था।

गंगा स्वच्छ हुई पर अभी स्वच्छता अभियान में जनभागीदारी जरूरी : सिंह

संवाददाता

साहिबगंज : ऐतिहासिक मुक्तेश्वर घाट पर प्रत्येक मंगलवार की भांति इस सप्ताह भी साप्ताहिक गंगा आरती का भव्य आयोजन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं स्थानीय नागरिकों एवं गंगा प्रेमियों ने शामिल होकर मां गंगा की पूजा-अर्चना की तथा गंगा की निर्मलता अविरलता व संरक्षण का संकल्प लिया।गंगा तट दीपों की रोशनी वैदिक मंत्रोच्चार भक्ति संगीत से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने मां गंगा की आरती में भाग लेकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति उत्तम स्वास्थ्य तथा समाज के कल्याण की कामना की। आरती के दौरान गंगा संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा से जुड़े संदेश भी प्रसारित किए गए।गंगा आरती का विधिवत संचालन पुजारी अजय पांडे, विजय पांडे नगर परिषद सदस्य पवन कुमार, सुनील कुमार, पीयूष, रोहित कुमार, नियमित रूप से आरती में शामिल सुनील कुमार ठाकुर अन्य श्रद्धालु द्वारा वैदिक रीति-रिवाजों एवं

मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया गया। उनके नेतृत्व में आयोजित आरती में उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा भाव से भाग लिया। आरती के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया तथा गंगा संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया।इस अवसर पर मॉडल कॉलेज राजमहल, साहिबगंज के प्राचार्य सह जिला गंगा समिति के सदस्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि गंगा बिगत समय में स्वच्छ हुई पर अभी स्वच्छता अभियान निरंतरता से जनभागीदारी होना जरूरी है. गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक एवं पर्यावरणीय धरोहर है। गंगा का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं निर्मल गंगा का निर्माण तभी संभव है जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति इसमें अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करे। जबकि बारिश के दिनों में गंगा जलाशयों का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है और तेज धारा दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। इसलिए बच्चों को अकेले गंगा नदी, तालाब अथवा अन्य जलाशयों में स्नान करने के लिए न भेजें। यदि बच्चे गंगा स्नान या नदी किनारे जाएं, तो उन पर निरंतर निगरानी रखें और आवश्यक सुरक्षा उपायों का पालन करें।डॉ. सिंह ने कहा कि बाढ़ एवं वर्षा के दौरान थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। अतः सभी नागरिक प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। स्वयं सुरक्षित रहें और दूसरों को भी जागरूक करें। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से ही गंगा संरक्षण और जनसुरक्षा के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त किया जा सकता है।अंत में श्रद्धालुओं ने मां गंगा से क्षेत्र में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना करते हुए गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण के लिए निरंतर योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति एवं जनजागरूकता के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

600 करोड़ी 'गदर 2' के बाद अब

गदर 3 की बारी

डायरेक्टर बता दिया कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

सनी देओल की सुपरहिट 'गदर' को 25 साल पूरे हो गए हैं और आज भी इस फिल्म को लोग भूले नहीं हैं. इस मूवी के 25 साल पूरे होने पर डायरेक्टर ने एक खुशखबरी दे दी है. अनिल शर्मा ने 'गदर 3' को लेकर बड़ा अपडेट शेयर करते हुए बता दिया है कि ये फिल्म कब आएगी और कैसी होगी. सनी देओल की सुपरहिट मूवी 'गदर' ने 25 साल पूरे कर लिए हैं, मगर आज भी लोगों के लिए ये बेहद खास है. अनिल कुमार के डायरेक्शन में बनी इस मूवी में सनी देओल और अमीषा पटेल की जोड़ी नजर आई थी. बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई करते हुए 'गदर' साल 2001 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बनी. इस फिल्म के 22 साल बाद 'गदर 2' आई, जिसने अपने पहले पार्ट के ही रिकॉर्ड को तोड़कर रख दिया था. 'गदर' के 25 साल पूरे होने पर इसके डायरेक्टर ने 'गदर 3' पर बड़ा अपडेट दे दिया है, जिसका फैंस को लंबे वक्त से इंतजार था. अनिल शर्मा ने कहा कि अगले साल 'गदर 3' की शूटिंग शुरू होगी.

'गदर 2' सनी देओल की करियर की सबसे बड़ी फिल्म है, जिसने अभी तक सबसे ज्यादा कमाई की है. लंबे वक्त से 'गदर 3' को लेकर चर्चा चल रही थी, मगर मेकर्स ने इस बारे में कुछ नहीं कहा था. लेकिन 'गदर' के 25 साल पूरे होने पर डायरेक्टर ने खुद 'गदर 3' को कंफर्म कर दिया है. अनिल शर्मा ने कहा कि तीसरे पार्ट की कहानी और भी ज्यादा धमाकेदार होने वाली है.

डायरेक्टर ने दिया गदर 3 पर अपडेट

'गदर' के तीसरे पार्ट के बारे में बात करते हुए अनिल शर्मा ने कहा, 'गदर 3 जरूर बनेगी और ये पहले से भी बड़ी होगी. ये फिल्म अपने आप में ही एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि लोगों को इस फ्रेंचाइजी से बहुत उम्मीदें हैं. मेरे लिए अगर 'गदर' की स्टोरी बॉम्ब थी, तभी मैं 'गदर 2' को एटम बॉम्ब बना पाया और इसने इतिहास रच दिया. अब अगर मेरे पास कोई न्यूक्लियर बॉम्ब स्टोरी होगी, तभी मैं तीसरा पार्ट बनाऊंगा. हम फिलहाल स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं और अगर सब ट्रैक पर रहा तो हम अगले साल 2027 में 'गदर 3' की शूटिंग शुरू कर देंगे.

गदर फ्रेंचाइजी ने कितने कमाए?

साल 2001 में रिलीज हुई सनी देओल और अमीषा पटेल की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' का बजट 18 करोड़ रुपये था. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचते हुए दुनिया भर में 132 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. वहीं, साल 2023 में रिलीज हुई 'गदर 2' का बजट 60 करोड़ रुपये था. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 686 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कलेक्शन किया था.

रश्मिका दिखाएंगी कृति को असली वाला बेंगलुरु

कॉकटेल 2 के प्रमोशन में फुल ऑन मस्ती

मुंबई अगर कॉकटेल 2 दोस्ती, प्यार, यादगार पल और उन लोगों की कहानी है जो हर एडवेंचर को खास बना देते हैं, तो अब बेंगलुरु भी अपना छोटा सा कॉकटेल मोमेंट जीने वाला है। रश्मिका मंदाना अपनी को-स्टार कृति सेनन को अपने होमटाउन का एक खास दर्शन करवाएंगी—पूरे दिन के लिए बनेगी कृति की लोकेशन बेंगलुरु माचा (यानी लोकल गाइड + बेस्ट फ्रेंड कम्बाइन)। फेवरेट कॉफी अंडर से लेकर आइकॉनिक साउथ इंडियन खाने की जगह तक, और वो लोकल फेवरेट्स जो हर टूरिस्ट गाइड में नहीं मिलते—रश्मिका कृति को दिखाने वाली हैं अपना वाला बेंगलुरु, जैसा वो खुद चलने और प्यार करती हैं। क्या वो अपने पुराने हैंगआउट्स पर रुकेंगे? या उन जगहों पर रुकेंगी जो रश्मिका की जर्नी को आकार दिया? या फिर रास्ते में कोई छुपा हुआ फूड जेम मिल जाएगा? प्लान पूरा सीक्रेट है भाई! जैसे कॉकटेल 2 दोस्ती की उन कहानियों को सेलिब्रेट करता है जो जिंदगी की बेस्ट स्टोरी बन जाती हैं, वैसे ही ये बेंगलुरु ट्रिप भी होगी—दोस्त की नजर से शहर को एक्सप्लोर करने वाली। ना कोई टूरिस्ट चेकलिस्ट, ना फिक्स रूट—बस दो दोस्त, एक शहर और ढेर सारे अनपेक्षित पल।

कॉकटेल 2 के प्रमोशन के दौरान, रश्मिका और कृति की ऑफ-स्क्रीन दोस्ती भी फैंस और मीडिया के बीच काफी चर्चा में रही है। उनकी मस्ती भरी नोकझोंक, इवेंट्स के दौरान के कैंडिड मोमेंट्स और एक-दूसरे के लिए उनका जेन्युइन प्यार—ये सब मिलकर इस जोड़ी को कैंपेन का सबसे प्यारा हिस्सा बना चुके हैं। कल का बेंगलुरु आउटिंग उसी दोस्ती का एक्सटेंशन है—उस शहर में जिसे रश्मिका दिल से बढ़ाती हैं। एक दिन के लिए, रश्मिका सिर्फ कृति को बेंगलुरु घुमाएंगी नहीं—बल्कि अपने घर का एक हिस्सा शेयर करेंगी, पोस्टकार्ड से आगे वाला शहर दिखाएंगी और उन जगहों और यादों से मिलवाएंगी जो इस शहर को इतना खास बनाती हैं। 19 जून को सिनेमा में मिलते हैं कॉकटेल 2 के साथ।

अक्षय कुमार को पूरी फिल्म की पटकथा रहती है याद : तुषार कपूर

अभिनेता तुषार कपूर ने कहा है कि अक्षय कुमार को पूरी फिल्म की पटकथा याद रहती है।निर्देशक अहमद खान की बहुप्रतीक्षित हास्य फिल्म वेलकम टू द जंगल की रिलीज़ जैसे-जैसे करीब आ रही है, फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता भी बढ़ती जा रही है। इसी बीच अभिनेता तुषार कपूर ने फिल्म और अपने सह-कलाकार अक्षय कुमार को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा की हैं। उन्होंने अक्षय कुमार की कार्यशैली, पटकथा पर उनकी मजबूत पकड़ और निर्देशक अहमद खान के समर्पण की खुलकर सराहना की। तुषार कपूर ने कहा कि अहमद खान ने फिल्म की कल्पना और प्रस्तुति को लेकर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया। उन्होंने बताया कि इतनी बड़ी कलाकार मंडली होने के बावजूद निर्देशक ने हर कलाकार को कहानी में उचित स्थान और पर्याप्त अवसर दिया है। यही कारण है कि फिल्म को पूरा होने में अपेक्षाकृत अधिक समय लगा, लेकिन निर्देशक ने अपने दृष्टिकोण से कभी समझौता नहीं किया। तुषार कपूर ने कहा, 'अहमद खान ने कभी भी इस बात पर समझौता नहीं किया कि वह फिल्म को किस तरह देखना और प्रस्तुत करना चाहते थे। उन्होंने कहानी में पूरी कलाकार मंडली को उचित स्थान दिया है।

शायद यही वजह है कि फिल्म को बनने में समय लगा, लेकिन यही उनका जुनून है। उन्होंने बताया कि फिल्म में सभी कलाकारों को पर्याप्त पर्दा समय मिला है, जिससे हर कलाकार अपनी अलग पहचान छोड़ने में सफल रहा है। अक्षय कुमार के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए तुषार कपूर ने कहा कि भले ही अक्षय सेट पर हंसी-मजाक और शरारतों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन काम के प्रति उनका समर्पण और तैयारी अद्भुत है। उन्होंने कहा कि अक्षय कुमार उन अभिनेताओं में शामिल हैं जिनकी स्मरण शक्ति और काम करने की गति असाधारण है।

तुषार कपूर ने कहा, 'अक्षय बहुत तेज़ हैं और पूरी पटकथा उन्हें जुबानी याद रहती है। भले ही वह हमेशा मज़ाक करते रहते हैं और शरारतें करते हैं, लेकिन उतनी ही मेहनत भी करते हैं। फिल्म वेलकम टू द जंगल में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी सहित कई चर्चित कलाकार नजर आएंगे। अहमद खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म को ए.ए. नाडियाडवाला, केप ऑफ गुड फिल्म्स, स्टार स्टूडियोज, सीता फिल्म्स और राकेश डांग के सहयोग से प्रस्तुत किया जा रहा है। फिल्म का निर्माण बेस इंडस्ट्रीज़ ग्रुप प्रोडक्शन के बैनर तले राकेश डांग और वेदांत विकास बाली ने किया है, जबकि निर्माता फिरोज ए. नाडियाडवाला हैं। यह बहुप्रतीक्षित हास्य फिल्म 26 जून 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

'इश्कनामा' में काम के अनुभव को लेकर बोलीं शहनाज गिल

मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल की आने वाली फिल्म 'इश्कनामा' का टीजर रिलीज हो गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्साह को बढ़ा दिया है। यह फिल्म एक इमोशनल इंडो-पाक लव स्टोरी पर बेस्ड है, जिसमें प्यार, जुदाई और सीमाओं के बीच अधूरे रिश्तों की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म की शूटिंग पंजाब और राजस्थान में हुई है। टीजर को चंडीगढ़ के एक इवेंट में रिलीज किया गया। इस दौरान फिल्म से जुड़े कलाकारों ने आईएएनएस संग अपने अनुभव साझा किए। अभिनेता सौरभ सचदेवा ने बात करते हुए कहा, ''जब मुझे इस प्रोजेक्ट के लिए पहली बार संपर्क किया गया, तो मैंने साफ बता दिया था कि मैंने कभी पंजाबी फिल्म में काम नहीं किया है। लेकिन, इसकी कहानी ने मुझे इस प्रोजेक्ट से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यह एक ऐसा अवसर है, जिसे मैं छोड़ना नहीं चाहता था। मैंने बिना ज्यादा सोच-विचार के इस फिल्म के लिए हां कर दी। उन्होंने आगे कहा, ''फिल्म के सेट पर सभी कलाकार और क्रू मेंबर्स

'ऐसे अनुभव खुद को बेहतर बनाते हैं'

एक-दूसरे के साथ खुलकर विचार साझा करते थे। किसी भी सीन या आइडिया पर चर्चा करने की पूरी आजादी थी, जिससे क्रिएटिविटी और भी बेहतर तरीके से सामने आई। इस तरह का माहौल किसी भी फिल्म को खास बना देता है, क्योंकि इससे काम करने में आसानी और खुशी दोनों मिलती हैं। अभिनेता जय रंधावा ने भी फिल्म की कहानी और शूटिंग अनुभव के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''फिल्म की शूटिंग पंजाब और राजस्थान जैसे दो अलग-अलग स्थानों पर की गई है, जिससे कहानी को असली जैसा बैकड्रॉप मिला।

गिल-ईशान के शतकों से भारत का धमाका, अफगानिस्तान को 170 रन से रौंदकर सीरीज पर कब्जा

लखनऊ : कप्तान शुभमन गिल और ईशान किशन की शानदार शतकीय पारियों तथा गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 170 रन से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की श्रृंखला अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने निर्धारित 50 ओवर में विशाल 402 रन का स्कोर खड़ा किया। भारतीय पारी की सबसे बड़ी खासियत कप्तान शुभमन गिल और ईशान किशन के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 224 रन की साझेदारी रही। गिल ने 154 रन की कप्तानी पारी खेली, जबकि ईशान किशन ने 125 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। 403 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरूआत अच्छी नहीं रही। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम कभी भी लक्ष्य के करीब नहीं पहुंच सकी। रहमत शाह ने संघर्ष करते हुए 79 रन बनाए, लेकिन दूसरे बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके। अफगानिस्तान की पूरी टीम 44.3 ओवर में 232 रन पर सिमट गई। दारविश रसूली चोटिल होने के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए और दोबारा बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं लौट सके। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार सबसे सफल रहे। दोनों ने तीन-तीन विकेट झटककर अफगान बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। अन्य गेंदबाजों ने भी सटीक लाइन और लेंथ से दबाव बनाए रखा। अफगानिस्तान की ओर से नांगेलिया खरोटे ने चार विकेट और राशिद खान ने तीन विकेट हासिल किए, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों द्वारा बनाए गए विशाल स्कोर के सामने यह प्रदर्शन नाकाफी साबित हुआ। इससे पहले, भारत ने धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया था। अब दोनों टीमों के बीच श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मुकाबला 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा, जहां भारतीय टीम क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी।

भारत ने नीदरलैंड को 95 रन से हराकर टी-20 विश्व कप में दर्ज की दूसरी जीत

लीड्सः भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नीदरलैंड को 95 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। हेडिंग्ले स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 209 रन बनाए, जो इस विश्व कप में टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में नीदरलैंड की पूरी टीम 17.3 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। भारत की जीत की नींव सलामी बल्लेबाजों स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने रखी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 115 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरूआत दिलाई। मंधाना ने 74 रन की बेहतरीन पारी खेली और उन्हें ह्यप्लेयर ऑफ द मैचह्न चुना गया। वहीं शेफाली वर्मा ने 55 रन बनाकर आक्रामक बल्लेबाजी का परिचय दिया। 210 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार विकेट हासिल किए। उन्होंने 17वें ओवर में तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर मुकाबले को पूरी तरह भारत के पक्ष में कर दिया। श्री चरणी ने ओवर की पहली गेंद पर फ्रेडरिक ओवरडिज्क को आउट किया। अगली ही गेंद पर मिर्थे वैन डेन राड बिना खाता खोले विकेटकीपर ऋचा घोष के हाथों कैच आउट हो गईं। ओवर की अंतिम गेंद पर आइरिस ज्वीलिंग भी पवेलियन लौट गईं। मैच का अंत भी शेफाली वर्मा ने शानदार अंदाज में किया। उन्होंने 18वें ओवर में दो गेंदों के अंतराल पर दो विकेट लेकर नीदरलैंड की पारी समेट दी। शेफाली ने बल्लेबाजी में अर्धशतक लगाने के साथ गेंदबाजी में भी तीन विकेट झटककर ऑलराउंड प्रदर्शन किया।

न्यूजीलैंड ने 2026-27 केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की, डेवन कॉनवे की वापसी

एजेंसी

वेलिंगटन : न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने 2026-27 सत्र के लिए बुधवार को अपनी केंद्रीय अनुबंध सूची घोषित कर दी है। इस सूची में सलामी बल्लेबाज डेवन कॉनवे की वापसी हुई है, जबकि तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को भी दोबारा अनुबंध मिला है। वहीं आदित्य अशोक और मोहम्मद अब्बास इस बार सूची से बाहर हो गए हैं। डेवन कॉनवे पिछले दो वर्षों से दुनिया भर की टी-20 लीगों में व्यस्त रहने के कारण न्यूजीलैंड बोर्ड के साथ केवल सीमित समझौते के तहत जुड़े हुए थे। हालांकि अब उन्होंने अगस्त 2026 से जुलाई 2027 तक राष्ट्रीय टीम के सभी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध करा दिया है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि कॉनवे लंबे समय से तीनों प्रारूपों में टीम

का अहम हिस्सा रहे हैं और उनकी वापसी ऐसे समय में हुई है जब टीम को बड़े बदलावों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से केन विलियमसन के हालिया संन्यास के बाद कॉनवे का अनुभव टीम के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दूसरी ओर तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर ने घरेलू क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया। आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में उनके पांच विकेट भी चयन का बड़ा आधार बने। पिछले सत्र में केंद्रीय अनुबंध पाने वाले जैक फॉल्क्स और मिच हे ने भी अपना स्थान बरकरार रखा है।

एनजेडसी ने यह भी स्पष्ट किया कि माइकल ब्रेसवेल और मार्क चैपमैन ने टेस्ट क्रिकेट अनुबंध रैंकिंग में शामिल नहीं होने का अनुरोध किया है। दोनों खिलाड़ी अब केवल सीमित ओवर प्रारूप के विशेषज्ञ के रूप में केंद्रीय अनुबंध सूची में रहेंगे। बोर्ड ने बताया कि आने वाले सप्ताहों में सीमित अनुबंध (कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट) की भी घोषणा की जाएगी, जिसमें फिन एलेन, लॉकी फर्ग्यूसन और टिम सिफर्ट जैसे खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं।

न्यूजीलैंड केंद्रीय अनुबंध सूची (2026-27):

टॉम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मिच हे, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, विल ओह्यरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, बेन सीयर्स, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मप्र के 5 दिवसीय प्रवास पर आज ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करेंगी

एजेंसी

खण्डवा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज मध्य प्रदेश के पांच दिवसीय पर आ रही हैं। वे अपने प्रवास के पहले दिन बैतूल में ₹आध्यात्मिक जागृति से जनजातीय समाज का सशक्तिकरण₹ महासम्मेलन में शामिल होंगी। इसके पश्चात राष्ट्रपति खंडवा जिले के ओंकारेश्वर पहुंचकर ओंकारेश्वर-ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन कर संध्या आरती में शामिल होंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु विशेष विमान से आज प्रातः 9:25 बजे इंदौर एयरपोर्ट आएंगी और यहां वे हेलिकॉप्टर द्वारा बैतूल के लिए रवाना होंगी। राष्ट्रपति सुबह 10:50 बजे बैतूल पहुंचेंगी। यहां स्वागत के पश्चात राष्ट्रपति कार्यक्रम स्थल लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम पौधरोपण करेंगी और इसके बाद ब्रम्हकुमारी के वरिष्ठ सदस्यों के साथ फोटो सेशन होगा। इसके पश्चात कार्यक्रम स्थल पर विभागों की प्रदर्शनी का

अवलोकन होगा। मुख्य कार्यक्रम मंच पर राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के बाद द्वीप प्रज्वलन होगा। इस दौरान मंच पर उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा राष्ट्रपति का शॉल, स्मृति चिन्ह एवं पौधा भेंट कर स्वागत अभिनन्दन किया जाएगा। राजयोगिनी बीके मंजु दीदी द्वारा स्वागत उदबोधन के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति होगी। राष्ट्रपति कलश एवं ध्वज द्वारा महासम्मेलन का शुभारंभ करेंगी। तत्पश्चात क्रमशः जोनल संचालक राजयोगिनी बीके शैलजा दीदी, केंद्रीय राज्यमंत्री दुगार्दास उईके व राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा उद्बोधन होगा। इसके बाद राष्ट्रपति द्वारा उद्बोधन दिया जाएगा। राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के पश्चात राष्ट्रपति मिलानपुर टोल नाका हेलीपेड के लिये प्रस्थान करेगी। यहां से दोपहर 12:45 बजे राष्ट्रपति ओंकारेश्वर के लिए प्रस्थान करेंगी। खंडवा जिला प्रशासन के अनुसार राष्ट्रपति दोपहर 1:30 बजे ओंकारेश्वर पहुंचेंगी तथा एनएचडीसी गेस्ट हाउस में विश्राम करेंगी। राष्ट्रपति ओंकारेश्वर में शाम 6:20 बजे ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर और ममलेश्वर मन्दिर में दर्शन एवं आरती कर रात्रि विश्राम एनएचडीसी गेस्ट हाउस में करेंगी। अगले दिन 19 जून को राष्ट्रपति प्रातः 10 बजे अंतरराष्ट्रीय सिकल सेल दिवस के अवसर पर ओंकारेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इस कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति प्रातः 11:30 बजे ओंकारेश्वर हेलिपेड से इन्दौर के लिए प्रस्थान करेंगी। राष्ट्रपति के दौरे के चलते सम्पूर्ण ओंकारेश्वर क्षेत्र एवं कोठी हेलीपेड के आसपास 2 किमी. क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ऋषव गुप्ता ने ड्रोन नियम 2021 के तहत 19 जून तक सम्पूर्ण ओंकारेश्वर क्षेत्र एवं कोठी हेलीपेड के आसपास के 2 किमी. क्षेत्र को ह्णनो ड्रोन क्षेत्रह्न क्षेत्र घोषित करने के आदेश जारी किए हैं। कलेक्टर गुप्ता ने बताया कि यह आदेश जिले के सम्पूर्ण ओंकारेश्वर क्षेत्र में प्रभावशील रहेगा। यदि कोई भी व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता है, तो उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

इंदौर जिला प्रशासन के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 19 जून को ओंकारेश्वर में अंतरराष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दोपहर 12:15 बजे इंदौर एयरपोर्ट पहुंचेंगी। वे दोपहर 12.25 बजे इंदौर एयरपोर्ट से पश्चिम बंगाल के कलाईकुण्ड एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगी। राष्ट्रपति 20 जून को शाम 6.10 बजे वायुयान द्वारा जबलपुर एयरपोर्ट आएंगी। यहां से वे सर्किट हाउस के लिए रवाना होंगी। वे रात्रि विश्राम जबलपुर के सर्किट हाउस में ही करेंगी। राष्ट्रपति अगले दिवस 21 जून को प्रातः 7:20 बजे जबलपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में शामिल होंगी। इस कार्यक्रम के पश्चात राष्ट्रपति दोपहर 11:40 बजे रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के 36वें कान्क्लेव समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी। इसके पश्चात वे दोपहर 1:20 बजे जबलपुर एयरपोर्ट से ग्वालियर के लिए रवाना होंगी। वे दोपहर 2:20 बजे ग्वालियर पहुंचेंगी। यहां से वे हेलिकॉप्टर द्वारा कूनो नेशनल पार्क के लिए रवाना होंगी। वे दोपहर 3:35 बजे कूनो गेस्ट हाउस पहुंचेंगी। राष्ट्रपति रात्रि विश्राम कूनो गेस्ट हाउस में करेंगी। वे अगले दिवस 22 जून को प्रातः 6:30 वे कूनो नेशनल पार्क का भ्रमण करेंगी।

राष्ट्रपति प्रातः 10:20 बजे कूनो नेशनल पार्क हेलीपेड से प्रस्थान कर प्रातः 11:05 बजे ग्वालियर एयरपोर्ट पहुंचेंगी और ग्वालियर एयरपोर्ट से प्रातः 11:15 बजे वे दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी। राष्ट्रपति के पांच दिवसीय दौरे को लेकर प्रशासन सतर्क है और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सभी कार्यक्रम स्थलों पर

मप्र के स्कूलों में पढ़ाई जाएगी महाराणा प्रताप की जीवनी, मुख्यमंत्री ने की घोषणा

महाराणा प्रताप राष्ट्र गौरव के अमर प्रतीक, उनका अदम्य साहस हर पीढ़ी के लिए प्रेरक : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप की जीवनी अब स्कूलों में पढ़ाई जाएगी। हम महाराणा प्रताप के जीवन के प्रेरक प्रसंगों को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने जा रहे हैं। इससे हमारी भावी पीढ़ी महाराणा की वीरता और देशभक्ति से प्रेरणा लेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार शाम को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के अवसर पर भोपाल के महाराणा प्रताप नगर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश देश का इकलौता राज्य है, जिसने महाराणा प्रताप की जयंती पर अवकाश घोषित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का जीवन वीरता, शौर्य, पराक्रम, त्याग का प्रतीक है। उनका नाम स्मरण करते ही मन श्रद्धा से भर जाता है। महाराणा प्रताप ने तमाम कठिनाइयों

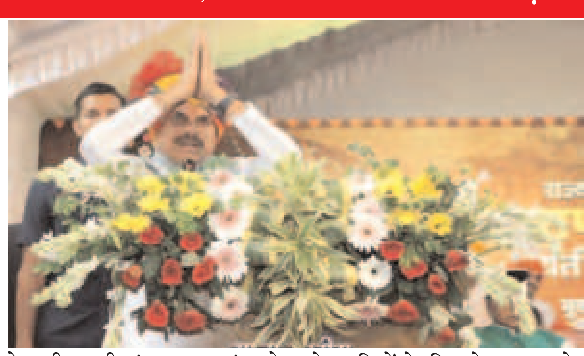

के बीच भी 'राष्ट्र प्रथम' को सर्वोपरि रखा। समाज का हर वर्ग देश की अस्मिता और आत्म सम्मान के लिए महाराणा प्रताप को एक आदर्श व्यक्तित्व के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप सिर्फ. एक राजा नहीं, स्वाभिमान, साहस और राष्ट्रभक्ति के अनुपम प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि साहस और वीरता मनुष्य का आभूषण है। यह पराक्रमी राजा का नैसर्गिक गुण होता है। महाराणा प्रताप वीरता के पर्याय हैं। उन्होंने जीवन में अनेक कष्ट सहे, पर अपने लक्ष्य से कभी भी विचलित नहीं हुए। उनका जीवन आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना हुआ है। सिसोदिया-राजपूत-क्षत्रिय समुदाय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने महान योद्धा महाराणा प्रताप को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने समाज के प्रतिभाशाली डाक्टर, युवाओं, खिलाड़ियों और समाजसेवियों को मंच से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ महाराणा प्रताप कल्याण बोर्ड का गठन किया है और आज इसी बोर्ड के माध्यम से यह राज्य स्तरीय कार्यक्रम किया गया है। हमारी सरकार महापुरुषों की विरासत को संरक्षित करते हुए इसे और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सेना और पुलिस बल में युवाओं की भर्ती के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से ₹पार्थ योजना₹ की शुरूआत की है। इसके अंतर्गत तैयारी कर रहे युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रदेश के अधिकांश जिले इस योजना के दायरे में ले लिए गए हैं। उन्होंने घोषणा की कि क्षत्रिय समाज के सभी युवाओं को भी इसी योजना में पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा बलों में भर्ती के लिए व्यवस्थित प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त इंटर्नशिप की व्यवस्था और समायोजन के लिए भी प्रभावी पहल की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप लोक निर्माण का शेष कार्य तेजी से पूरा कराकर इसका बहुत जल्द लोकार्पण किया जाएगा। म.प्र.पर्यटन विकास निगम और महाराणा प्रताप कल्याण बोर्ड के समन्वय से सरकार महाराणा प्रताप के स्वर्णिम अतीत को दुनिया के सामने लाएगी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयुष आहार में शामिल हुई बंगाल की झालमुड़ी, स्वास्थ्यवर्धक देशी खाद्य पदार्थों को बढ़ावा

एजेंसी

कोलकाता : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने इस बार अपने विशेष ह्यआयुष आहारह्न मेनू में पश्चिम बंगाल की लोकप्रिय झालमुड़ी को शामिल किया है। इसके साथ ज्वार-बाजरे के बिस्कुट, नारियल पानी, केला और गुड़-मूंगफली की चिक्की जैसे पारंपरिक भारतीय खाद्य पदार्थ भी परोसे जाएंगे। मंत्रालय का उद्देश्य स्वास्थ्यवर्धक, स्थानीय और आसानी से उपलब्ध खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देना है। विशेषज्ञों का मानना है कि स्वास्थ्यकर भोजन का मतलब केवल विदेशी फल या महंगे ह्यसुपरफूडह्न नहीं होते। स्थानीय खाद्य पदार्थों में भी पर्याप्त पोषण और संतुलित आहार के गुण मौजूद हैं। आयुष मंत्रालय का यह कदम इसी संदेश को सामने लाने की कोशिश माना जा रहा है। मंत्रालय योग दिवस को केवल एक दिन के आयोजन तक सीमित न रखकर भारतीय खाद्य संस्कृति के स्वस्थ और व्यावहारिक पहलुओं को भी राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करना चाहता है। झालमुड़ी लंबे समय से बंगाल के जनजीवन और खानपान का अभिन्न हिस्सा रही है। हालांकि स्वास्थ्य संबंधी चचाओं में इसे पहले अधिक महत्व नहीं मिलता था। लेकिन विधानसभा चुनाव के दौरान झाड़ग्राम में चुनाव प्रचार के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ में झालमुड़ी का पैकेट दिखाई देने के बाद यह व्यंजन राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया था। इसके बाद विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रमों में भी झालमुड़ी की उपस्थिति बढ़ी है। सूत्रों के अनुसार, 20 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के दौरे पर आ रहे हैं और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में भाग लेंगे।

ईस्टर्न स्लैम 2026 का आयोजन 22 से 27 जून तक रायपुर में

रायपुर : प्रतिष्ठित ईस्टर्न स्लैम 2026 का आयोजन पहली बार रायपुर में होने जा रहा है। यह प्रतियोगिता 22 से 27 जून तक बूढ़ापारा स्थित स्क्वैश कॉम्प्लेक्स में आयोजित की जाएगी। यह आयोजन जूनियर और सीनियर दोनों श्रेणियों में हो रहा है। इसमें पीएसए सैटेलाइट (पुरूष और महिला) स्पधाएं भी शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया है कि यह प्रतियोगिता स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की 5 स्टार रैंकिंग प्राप्त है, जिसे एशियन स्क्वैश फेडरेशन और प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन से भी मान्यता प्राप्त है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की 5-स्टार रैंकिंग प्रतियोगिता है, जिसमें भारत, सिंगापुर सहित 3 देशों और 21 राज्यों के लगभग 349 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।टूनामेंट के लिए 2000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। अंतरराष्ट्रीय आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन के संस्थापक डॉ. विष्णु कुमार श्रीवास्तव को चैंपियनशिप का चेयरमैन तथा प्रदेश संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार अग्रवाल को वाइस चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

सिपाही भर्ती परीक्षा में फजीवाड़े की खबर भ्रामक, सीसीटीवी जांच में नहीं मिला कोई साक्ष्य : एसपी

एजेंसी

सीवान : केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती), बिहार द्वारा आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान संघमित्रा पब्लिक स्कूल परीक्षा केंद्र पर बायोमेट्रिक कर्मियों द्वारा परीक्षार्थियों को नकल के पुर्जे उपलब्ध कराने संबंधी कुछ कथित न्यूज चैनलों में प्रसारित खबरों का पुलिस प्रशासन ने खंडन किया है। पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा ने बताया कि सूचना प्राप्त होते ही उनके नेतृत्व में अनुमंडल पदाधिकारी सदर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-01 सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की टीम तत्काल परीक्षा केंद्र पहुंची। वहां अभ्यर्थियों से बातचीत की गई तथा केंद्राधीक्षक एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट से पूरे मामले की जानकारी ली गई। एसपी ने बताया कि केंद्राधीक्षक एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट ने उक्त समाचार को पूरी तरह भ्रामक, निराधार एवं तथ्यहीन बताया। इसके बाद परीक्षा समाप्ति के उपरांत पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में अनुमंडल पदाधिकारी सदर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-01, मुफ्फसिल थानाध्यक्ष एवं तकनीकी शाखा प्रभारी की संयुक्त टीम गठित कर परीक्षा केंद्र के सीसीटीवी फुटेज का गहन अवलोकन किया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज की विस्तृत जांच में ऐसा कोई तथ्य सामने नहीं आया, जिससे यह साबित हो सके कि बायोमेट्रिक कर्मियों द्वारा किसी परीक्षार्थी को नकल सामग्री उपलब्ध कराई गई हो। जांच में आरोप पूरी तरह असत्य पाए गए। एसपी ने स्पष्ट किया कि कुछ कथित न्यूज चैनलों द्वारा प्रसारित खबरें पूर्णतः निराधार, भ्रामक एवं तथ्यहीन हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि अपुष्ट एवं भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें तथा किसी भी सूचना की पुष्टि आधिकारिक स्त्रोतों से करें।

हिमाचल के 27 कॉलेजों में शुरू होंगे रोजगार से जुड़े नए डिग्री कोर्स, पढ़ाई के साथ मिलेगा प्रशिक्ष ।

एजेंसी

शिमला : कॉलेज में पढ़ाई के साथ नौकरी का अनुभव भी मिलेगा। हिमाचल प्रदेश के हजारों छात्रों के लिए इस शैक्षणिक सत्र से उच्च शिक्षा का स्वरूप कुछ बदलने जा रहा है। अब कई कॉलेजों में छात्र केवल किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि पढ़ाई के दौरान ही उद्योगों से जुड़ा व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त करेंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रदेश के 27 सरकारी और अनुदान प्राप्त कॉलेजों में एप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) शुरू करने का निर्णय लिया है।

उच्च शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. हरीश कुमार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार बी.कॉम के तहत कई रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इनमें ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स, रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा तथा मानव संसाधन संचालन जैसे कोर्स शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, उन्हें रोजगार बाजार की जरूरतों के अनुरूप कौशल और अनुभव से भी लैस करना है। शिमला जिले के राजकीय महाविद्यालय चौड़ा मैदान में रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट और लॉजिस्टिक्स, राजकीय कन्या महाविद्यालय शिमला में ई-कॉमर्स और मानव संसाधन संचालन, राजकीय महाविद्यालय ठियोग में ई-कॉमर्स, राजकीय महाविद्यालय रामपुर में बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा तथा राजकीय महाविद्यालय संजौली और सरस्वती नगर में भी बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा के पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

हमीरपुर जिले के राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर में बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा और ई-कॉमर्स, राजकीय महाविद्यालय बरसर में लॉजिस्टिक्स तथा राजकीय महाविद्यालय भोरंज में रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट का कोर्स शुरू होगा। बिलासपुर जिले के राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा और मानव संसाधन संचालन, जबकि राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में ई-कॉमर्स का पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। मंडी जिले के राजकीय महाविद्यालय मंडी में बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा, राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट में लॉजिस्टिक्स, राजकीय महाविद्यालय जोगिंद्रनगर में बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा और रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट तथा राजकीय महाविद्यालय करसोग में ई-कॉमर्स का कोर्स शुरू होगा। सोलन जिले के राजकीय महाविद्यालय अर्की और नालागढ़ में लॉजिस्टिक्स, ऊना जिले के राजकीय महाविद्यालय ऊना में रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट और लॉजिस्टिक्स, कुल्लू जिले के राजकीय महाविद्यालय कुल्लू में बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा तथा सिरमौर जिले के राजकीय महाविद्यालय नाहन में बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा और रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। कांगड़ा जिले के राजकीय महाविद्यालय इंदौरा में लॉजिस्टिक्स, राजकीय महाविद्यालय धलियारा में बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा, राजकीय महाविद्यालय नगरोटा बगवां में बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा और लॉजिस्टिक्स, राजकीय महाविद्यालय पालमपुर में रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट तथा राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला में बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा और मानव संसाधन संचालन के कोर्स शुरू होंगे। चंबा जिले के राजकीय महाविद्यालय चंबा में बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा का पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसके अलावा शिमला स्थित सेंट बेड्स महाविद्यालय में भी बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा का कोर्स शुरू होगा।

सत्यमेव जयते
हिमाचल प्रदेश सरकार

न्यूज IN ब्रीफ

शेयर बाजार में शुरूआती गिरावट के बाद तेजी, सेंसेक्स 82.99 अंक उछला

नई दिल्ली : लगातार चार दिनों से चली आ रही शेयर बाजार की तेजी पर अचानक ब्रेक लग गया । हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार में सुबह नरम शुरूआत हुई। अमेरिका और ईरान के बीच डील और कच्चे तेल की कीमत में गिरावट के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में मामूली गिरावट आई। लेकिन, अभी सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी है।
फिलहाल, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 82.99 अंक यानी 0.11 फीसदी की उछाल के साथ 77,238.61 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 43.85 अंक यानी 0.18 फीसदी की बढ़त के साथ 24,129.55 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। बाजार में आज उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 111.23 अंक टूटकर 77,044.39 अंक पर और निफ्टी 26.85 अंक की गिरावट के साथ 24,058.85 अंक पर पहुंच गया था। वहीं, रुपया शुरूआती कारोबार में 21 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.71 पर है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को सेंसेक्स 347 अंक की तेजी के साथ 77,156 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 97 अंक की बढ़त के साथ 24,086 पर बंद हुआ था।

दीघा जगन्नाथ मंदिर को लेकर नया विवाद, पुरी मंदिर प्रशासन ने उठाई नई मांग

मेदिनीपुर : पश्चिम बंगाल के दीघा स्थित जगन्नाथ मंदिर को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। ह्यधामह्न शब्द हटाने के विवाद के बाद अब जगन्नाथ मंदिर पुरी प्रशासन ने एक नई आपत्ति दर्ज कराई है। पुरी मंदिर के सेवायतों और अधिकारियों ने मांग की है कि दीघा मंदिर में स्थापित पत्थर की मूर्तियों को हटाकर उनकी जगह लकड़ी से बनी ह्यदारुब्रह्मह्न प्रतिमाएं स्थापित की जाएं। उनका कहना है कि भगवान जगन्नाथ की पूजा दुनिया में कहीं भी हो, उसे पुरी मंदिर की पारंपरिक रीति-नीति के अनुसार ही किया जाना चाहिए। जानकारी के अनुसार, पूर्ववर्ती ममता बनर्जी सरकार द्वारा निर्मित जगन्नाथ मंदिर के नाम के साथ ह्यधामह्न शब्द जोड़ा गया था, जिस पर ओडिशा सरकार और पुरी मंदिर प्रशासन ने आपत्ति जताई थी। हाल ही में राज्य की नवगठित भाजपा सरकार ने मंदिर के नाम से ₹धाम₹ शब्द हटाने की घोषणा की थी। अब पुरी मंदिर से जुड़े सेवायतों का कहना है कि शास्त्रों के अनुसार भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा पत्थर की नहीं बल्कि लकड़ी की होनी चाहिए। इससे परंपरा और धार्मिक पवित्रता बनी रहती है। उनका यह भी कहना है कि अगर रथयात्रा निकाली जाती है तो उसमें केवल लकड़ी की प्रतिमा ही स्थापित की जानी चाहिए। हालांकि, पुरी मंदिर के मुख्य सेवायत स्वेन महापात्र ने कहा है कि मंदिर के भीतर पत्थर की प्रतिमा की पूजा करने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन ऐसी प्रतिमा को रथ पर नहीं चढ़ाया जा सकता। दूसरी ओर, बुधवार देर शाम दीघा मंदिर के सेवायत गौरहरि प्रधान ने भी कहा कि परंपरागत रूप से भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा लकड़ी की ही बनाई जाती है और पुरी मंदिर की परंपरा का पालन अन्य जगन्नाथ मंदिरों में भी होना चाहिए।

शिमला : अवैध अफीम की खेती के दो मामलों का भंडाफोड़, 3,591 पौधे बरामद

शिमला : शिमला जिले के रोहडू उपमंडल के तहत चिडगांव क्षेत्र में पुलिस ने अवैध अफीम की खेती के दो मामलों का भंडाफोड़ करते हुए कुल 3,591 अफीम के पौधे बरामद किए हैं। दोनों मामले एक ही दिन सामने आए, जहां गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की। मामले के अनुसार 17 जून को थाना चिडगांव की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस को चमराड़ा क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती किए जाने की सूचना मिली। सूचना के बाद पुलिस टीम ने स्थानीय स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में मौके पर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान सेब के पौधों के बीच अवैध रूप से उगाए गए 1,570 अफीम के पौधे बरामद किए गए। इन पौधों पर अफीम के पॉड भी लगे हुए थे। पुलिस ने नियमानुसार कुछ पौधों को नमूने के तौर पर कब्जे में लेकर सील किया, जबकि बाकी पौधों को मौके पर ही नष्ट कर दिया। इस मामले में थाना चिडगांव में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 18 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इसे अभियोग संख्या 56/2026 के रूप में दर्ज किया है। पहले मामले की जांच के दौरान ही पुलिस को चमराड़ा क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती से जुड़ी एक और गोपनीय सूचना मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने स्वतंत्र गवाहों के साथ दूसरे स्थान पर भी तलाशी अभियान चलाया।
इस कार्रवाई के दौरान एक सेब के बगीचे में खसरा नंबर 702 की भूमि पर अवैध रूप से उगाए गए 2,021 अफीम के पौधे बरामद किए गए। इन पौधों पर भी पॉड लगे हुए थे। पुलिस ने यहां से भी कुछ पौधों को नमूने के तौर पर कब्जे में लेकर सील किया और शेष पौधों को नियमानुसार नष्ट कर दिया। इस संबंध में थाना चिडगांव में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 18 के तहत एक और मामला दर्ज किया गया है। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने गुरूवार को बताया कि दोनों मामलों में कुल 3,591 अफीम के पौधे बरामद किए गए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन खेतों में अफीम की खेती किसने की और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है और मामले की आगे की जांच थाना चिडगांव पुलिस कर रही है।

पश्चिम बंगाल में केंद्रीय बलों की संख्या में कटौती, 500 में से 150 कंपनियां रहेंगी तैनात

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती में बड़ी कटौती की गई है। राज्य में विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान तैनात किए गए केंद्रीय बलों की संख्या, जो चुनाव के बाद भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 500 कंपनियों के स्तर पर रखी गई थी, अब घटाकर 150 कंपनियां कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार, राज्य में वर्तमान में शांति और सामान्य कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सरकार ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य पुलिस और प्रशासन को पूर्ण स्वतंत्रता दी है। इसी के मद्देनजर केंद्रीय बलों की संख्या कम करने का फैसला लिया गया।
विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद राज्य सचिवालय नवान्न सहित विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर केंद्रीय बलों की तैनाती की गई थी। उस समय सरकारी दस्तावेजों और अभिलेखों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष निगरानी के निर्देश भी दिए गए थे। इसके बाद से नवान्न की सुरक्षा का दायित्व भी केंद्रीय बलों के जवानों के पास था। नवान्न में प्रवेश और निकास के दौरान कर्मचारियों के पहचान पत्रों की जांच तथा बैगों की तलाशी भी केंद्रीय बलों के जवानों द्वारा की जाती थी। हालांकि बुधवार से नवान्न के बाहर तैनात केंद्रीय बलों को हटा लिया गया है।
प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था का नया ढांचा पहले ही तय किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि इस बार पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव दो चरणों में संपन्न हुआ था। चुनाव के दौरान अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गई थी और कुल 2,407 कंपनियां केंद्रीय बलों की तैनाती की गई थी, जो पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में काफी अधिक थी।

न्यूज IN ब्रीफ

एजाज अनवर बने नगर आयुक्त आदित्यपुर

बिनय मिश्रा : झारखंड प्रशासनिक सेवा के तेज तर्रार, कर्मठ, उत्कृष्ट तथा उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले एजाज अनवर आदित्यपुर नगर निगम के नगर आयुक्त बनाए गए हैं इससे पूर्व श्री अनवर संयुक्त सचिव कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के रूप में पदस्थापित थे। श्री अनवर पश्चिम सिंहभूम जिला में अपर उपायुक्त (ए डी सी) तथा झींकपानी प्रखंड में लोकप्रिय अंचल अधिकारी के रूप में पदस्थापित रह चुके हैं। इनके बेहतर और उत्कृष्ट कार्यों के फलस्वरूप इन्हें लोकप्रिय और कर्मठ अधिकारी की संज्ञा मिली हुई है। श्री अनवर 18 जून को अपना पदभार ग्रहण करेंगे। ऐसे अधिकारी से निश्चित तौर पर विभाग, राज्य और जिला गौरवान्वित होते हैं।

फर्जीवाड़ा कर टेंडर रद्द मामले में ठेकेदार का बयान दर्ज

धनबाद : अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में बुधवार को बीसीसीएल के पूर्वी झरिया क्षेत्र के सिविल विभाग के कतिपय अधिकारियों की ओर से फर्जी ढंग से टेंडर रद्द करने के मामले की सुनवाई हुई। अदालत में शिकायतकर्ता लोको बाजार पाथरडीह निवासी ठेकेदार गोपाल शर्मा का बयान दर्ज कराया गया। उन्होंने बताया कि पूर्वी झरिया क्षेत्र के सिविल विभाग ने टेंडर निकाला, जिसमें उन्होंने चार कार्यों में टेंडर डाला। चारों कार्यों में दर कम होने के कारण उन्हें काम मिले। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि पूर्वी झरिया क्षेत्रीय प्रबंधन की ओर से क्वार्टर, सेफ्टी टैंक की मरम्मत के लिए 12 जनवरी-2026 को टेंडर निकाला गया।
टेंडर के आधार पर सिविल विभाग के असैनिक अभियंता ने ठेकेदार को काम शुरू करने का निर्देश दिया, परंतु वर्क ऑर्डर ठेकेदार नहीं दिया। कहा कि अभी फंड नहीं है। फंड आने पर भुगतान किया जाएगा। ठेकेदार गोपाल शर्मा ने यह भी कहा कि काम पूरा करने के बाद उन्हें भुगतान नहीं किया गया। साथ ही सिविल विभाग ने बिना सूचना के टेंडर रद्द कर दिया।

सभी कर्मियों के लिए बायोमीट्रिक हाजिरी अनिवार्य

धनबाद : धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सभी कर्मचारियों के लिए बायोमीट्रिक हाजिरी अनिवार्य कर दी गई है। डीसी स्तर से जारी निर्देश के आलोक में अधीक्षक डॉ डीके गिंदौड़िया ने आदेश जारी किया है। कहा गया कि संस्थान में कार्यरत सभी नियमित, संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मियों को प्रतिदिन बायोमीट्रिक प्रणाली से अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी। अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सरकारी निदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज में पैथोलॉजी के साथ बायोकेमिस्ट्री जांच होगी

धनबाद : धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के साथ जांच सुविधाओं के विस्तार की दिशा में अहम पहल शुरू की गई है। अस्पताल प्रबंधन मरीजों को एक ही परिसर में अधिक से अधिक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी में जुटा है। यहां पैथोलॉजी जांच के साथ बायोकेमेस्ट्री जांच की भी सुविधा शुरू करने की योजना पर काम किया जा रहा है। इसके लिए अस्पताल प्रबंधन ने आवश्यक उपकरणों और केमिकल की खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी है।
प्रबंधन का मानना है कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद मरीजों को जांच के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। साथ ही समय के साथ-साथ आर्थिक बोझ भी कम होगा। बता दें कि धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अभी बड़ी संख्या में मरीजों को बायोकेमेस्ट्री जांच कराने के लिए मेडिकल कॉलेज का चक्कर लगाना पड़ता है। कई बार वहां भी सभी आवश्यक जांच उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। ऐसी स्थिति में मरीजों और परिजनों को निजी जांच केंद्रों का सहारा लेना पड़ता है, जहां उन्हें अपनी जेब से अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह स्थिति और भी कठिन हो जाती है।
इलाज के खर्च के साथ जांच का अतिरिक्त व्यय कई परिवारों के लिए परेशानी का कारण बनता है। अस्पताल में ही बायोकेमेस्ट्री जांच की सुविधा उपलब्ध होने से मरीजों की आसानी होगी और समय पर रिपोर्ट मिल सकेगी, जिससे डॉक्टरों को भी जल्द इलाज शुरू करने में मदद मिलेगी। गंभीर मरीजों के मामले में यह सुविधा विशेष रूप से लाभकारी साबित होगी, क्योंकि जांच रिपोर्ट के लिए कम इंतजार करना होगा और इलाज में देर नहीं होगी।
अधीक्षक डॉ डीके गिंदौरिया ने बताया कि मरीजों को बेहतर और सुविधाजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना अस्पताल की प्राथमिकता है। इस उद्देश्य से जांच सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आवश्यक उपकरणों और केमिकल की खरीद की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सभी औपचारिकताएं पूरी होते ही अस्पताल में बायोकेमेस्ट्री जांच की सुविधा शुरू होगी।

रेड क्रॉस का तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण सत्र 19 से 21 जून तक

जमशेदपुर : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी जमशेदपुर द्वारा 19 से 21 जून तक तीन दिवसीय विशेष योग प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जाएगा। सत्र शाम 4 बजे से 6 बजे तक चलेगा रेड क्रॉस के श्याम कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण में 40 वर्ष से अधिक उम्र के महिला-पुरुष ही शामिल होंगे। शरीर व मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही भाग ले सकेंगे। इच्छुक उम्मीदवार बिष्टुपुर कार्यालय और साकची रेड क्रॉस भवन में नामांकन करा सकते हैं।योग दिवस पर रेलवे, स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य विभागों में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सुंदरनगर में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, तीन गंभीर घायल

जमशेदपुर : सुंदरनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे फाटक के पास सोमवार दोपहर करीब एक बजे दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को पहले सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में ओड़िशा के बड़बिल निवासी निखिल दास भी शामिल है, जिसके सिर में गंभीर चोट लगी है। जानकारी के अनुसार, निखिल जमशेदपुर में कार्य करता है और सुंदरनगर क्षेत्र में अपने भाई के पास रह रहा था। दूसरी बाइक पर सवार बमामाईंस थाना क्षेत्र के कैरेज कॉलोनी हरिजन बस्ती निवासी अजय मुखी (23) और बागबेड़ा निवासी चंद्रमुखी पात्रो (21) भी घायल हो गए।
बताया जाता है कि दोनों पोटका के हरिणा मेला जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना के बाद निखिल दास के साथ मौजूद एक व्यक्ति उसका मोबाइल फोन और पर्स लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता, जवाबदेही व जनहित सर्वोपरि : उपायुक्त

आयुष्मान कार्ड निर्माण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीबी उन्मूलन एवं ई-संजीवनी सेवाओं की हुई व्यापक समीक्षा

संवाददाता

चतरा : उपायुक्त रवि आनन्द की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आमजनों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं तथा इसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मियों को संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाले प्रत्येक मरीज को गुणवत्तापूर्ण एवं सम्मानजनक सेवा उपलब्ध होनी चाहिए।आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र लाभुकों का अधिक से अधिक आयुष्मान कार्ड निर्माण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सूचना, शिक्षा एवं संचार तथा व्यवहार परिवर्तन संचार गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि कोई भी पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित न रहे। साथ ही स्वास्थ्य संस्थानों में आयुष्मान योजना के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं को और सुदृढ़ करने का निर्देश दिया।मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत एएनसी पंजीकरण सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक लाभुक को गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के साथ-साथ सभी नवजात शिशुओं का समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए।कुपोषण उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित एमटीसी केंद्रों की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि बच्चों के बेहतर उपचार एवं पोषण प्रबंधन के लिए केंद्रों को आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित करना जरूरी है। उन्होंने जिन एमटीसी केंद्रों का कायाकल्प कार्य पांच वर्ष पूर्व पूरा हो चुका है, उनके सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मत हेतु डीएमएफटी मद से प्रस्ताव तैयार कर अग्रसारित करने का निर्देश दिया। साथ ही हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एमटीसी बेड क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए स्वयं स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही।
वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान हाइड्रोसील रोगियों के लिए उपलब्ध निःशुल्क ऑपरेशन सुविधा का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि पात्र मरीजों को चिन्हित कर उन्हें इस सुविधा का लाभ दिलाया जाए, ताकि गंभीर रोगों से पीड़ित लोगों को समय पर उपचार उपलब्ध हो सके। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने टीबी स्क्रीनिंग लक्ष्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने 100 दिवसीय टीबी अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा एक्स-रे मशीन क्रय हेतु प्रस्ताव को शीघ्र अग्रसारित करने को कहा।ई-संजीवनी टेली-कंसल्टेशन सेवा की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कम प्रदर्शन वाले स्वास्थ्य संस्थानों को विशेष प्रयास कर सेवा में सुधार लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना सरकार की महत्वपूर्ण पहल है, जिसका अधिकतम लाभ आमजन तक पहुंचना चाहिए।बैठक के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को प्रोत्साहित भी किया गया। आम सेरेंगदाग स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र के सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी (सीएचओ) सूरज कुमार को ई-संजीवनी सेवा में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर उपायुक्त द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।वहीं स्वास्थ्य सेवाओं में अपेक्षित प्रगति नहीं करने वाले संबंधित चिकित्सा पदाधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने आवश्यक कार्रवाई के तहत उनका वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया। बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी चिकित्सा पदाधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को अपने-अपने कार्यस्थल पर समय से उपस्थित रहने, मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।बैठक में सिविल सर्जन सत्येंद्र प्रसाद सिंहा, स्वास्थ्य विभाग के जिला स्तरीय पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी,सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं संबंधित स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

एसबीआई के मुख्य शाखा प्रबंधक को मेट्रो रेज के कोल्हान प्रभारी ने किया सम्मानित

संवाददाता

भारतीय स्टेट बैंक चक्रधरपुर शाखा जो 17 नवंबर 1973 को स्थापित हुआ। अपने स्थापना काल के 53 वर्षों में अपने खाता धारियों को बेहतर सुविधा प्रदान कर अग्रणी बैंक बनने के साथ साथ बैंक की शाख और खाता धारियों का विश्वास बढ़ाने में सफल रहा है। मुख्य शाखा प्रबंधक के रूप में प्रसन्नजीत झा ने 18 जुलाई 2025 को अपना योगदान दिया। अपने 11 माह के कार्यकाल में बैंक को अत्याधुनिक सुविधा और बेहतर तथा भव्य स्वरूप देने में भी कामयाब रहे। यही नहीं 53 वर्षों की स्थापना के पश्चात भी यह बैंक काफी बेहतर और उत्कृष्ट भी साबित हुआ है। श्री झा के बेहतर कार्य के फलस्वरूप मेट्रो रेल के कोल्हान प्रभारी एवं वरीय पत्रकार विनय मिश्रा ने उन्हें बधाई और शुभकामना दी।

तस्करों के खिलाफ पुलिस की छापेमारी, गांजा और ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

पाकुड़ : जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र में छापेमारी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध गांजा और ब्राउन शुगर बरामद किया है। मौके से पुलिस ने कृष्णा कुमार साहा और सूरज कुमार दुबे को गिरफ्तार किया है। नशीले पदार्थ की बरामदगी व गिरफ्तारी की जानकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव ने दी।
छापेमारी का नेतृत्व कर रहे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव ने बताया कि छापेमारी घाघरजनी स्थित कृष्णा कुमार साहा के बंद पड़े घर में की गई। एसडीपीओ ने बताया कि छापेमारी के दौरान 1 किलो 600 ग्राम गांजा, 25 ग्राम ब्राउन शुगर, नापतौल की मशीन और एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया।
एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी

कि घाघराजनी गांव के कृष्णा कुमार साहा के बंद पड़े घर में अवैध तरीके से मादक पदार्थ ड्रग्स और गांजा की खरीद बिक्री हो रही है। मिली इसी सूचना के सत्यापन और कार्रवाई को लेकर बतौर दंडाधिकारी सीओ मनोज कुमार, थाना प्रभारी हिरणपुर विनय कुमार सहित एसआईटी में शामिल पुलिस अवर निरीक्षक जेना बालमुचु सहित जवानों के साथ छापेमारी की गयी और गांजा एवं ब्राउन शुगर बरामद किया गया। एसडीपीओ ने बताया कि अवैध गांजा और ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार सूरज कुमार दुबे का अपराधिक इतिहास है और इसके खिलाफ पाकुड़िया में दो और हिरणपुर थाना में दो मामले दर्ज है। गिरफ्तार दोनों तस्करों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एसडीपीओ कुमार गौरव ने कहा कि जिले में नशामुक्त अभियान चलाया जा रहा है। यहां के लोगों से अपील है कि वह नशीले पदार्थो की खरीद बिक्री करने वालों की पुलिस को सुचना दे। प्रशासन नाम व पता गुप्त रखेगा और सुचना देने वालों को पुरस्कृत किया जायेगा।

टेल्को उत्कल ओडिया समाज की महिलाओं ने मनाया राजो पर्व

जमशेदपुर : लोयोला बीएड कॉलेज के पास स्थित विला रेस्तरां में टेल्को उत्कल ओडिया समाज की महिलाओं द्वारा राजो पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नृत्य, संगीत और रानी-राजा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और खूब आनंद लिया। कार्यक्रम की सफलता में ग्रुप लीडर सुजाता बिस्वाल के नेतृत्व में देबास्मिता, दीप्ति रायप्रीतम, लिशा और लिजा ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। यह आयोजन ओडिया संस्कृति को समर्पित रहा।

उमस भरी गर्मी से तत्काल राहत मिलने की संभावना कम

संवाददाता

धनबाद : धनबाद में बुधवार की सुबह से ही तेज धूप खिली। लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। दिन चढ़ने के साथ तापमान लगातार बढ़ता गया। दोपहर तक सड़कों, बाजारों और सार्वजनिक जगहों पर गर्मी का असर साफ दिखा। तेज धूप के कारण लोगों को घरों से बाहर निकलने में परेशानी हुई और कई जगहों पर लोग छांव की तलाश करते नजर आए।
दोपहर बाद शहर के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हुई, जिससे लोगों को कुछ समय के लिए राहत मिलने की उम्मीद जगी। हालांकि कम बारिश होने और वातावरण में नमी बढ़ने के कारण उमस और अधिक महसूस हुई। बारिश थमने के बाद चिपचिपाहट बढ़ गई और लोग पसीने से बेहाल रहे। शाम तक मौसम पूरी तरह सुहावना नहीं हो सका और हवा में नमी बनी रही।
मौसम केंद्र के अनुसार बुधवार को धनबाद का अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5.9 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जिले में एक जून से 17 जून तक 44.1 मिमी बारिश हुई है, जबकि इस अवधि में सामान्य बारिश 78.3 मिमी होनी चाहिए। इस प्रकार जिले में अबतक 44 प्रतिशत बारिश की कमी दर्ज की गई है।
मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार 19 जून तक धनबाद सहित आसपास के क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। मेघ गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। 20 और 21 जून को भी बादल छाए रहने के साथ एक-दो बार हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। विभाग ने 18 जून को उत्तर-पूर्वी एवं निकटवर्ती मध्य भागों में गर्जन, वज्रपात और 40 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक धूप, बादल और हल्की बारिश का मिला-जुला असर बना रहेगा। ऐसे में लोगों को उमस भरी गर्मी से तत्काल राहत मिलने की संभावना कम है। हालांकि बीच-बीच में होने वाली बारिश से तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है।

एक लाख से अधिक आबादी को नहीं मिला पानी

धनबाद : शहर में बुधवार को तीन जलमीनारों से आपूर्ति बाधित रही। इस कारण एक लाख से अधिक आबादी को पानी नहीं मिला। लोग दिनभर परेशान रहे। पेयजल व स्वच्छता के कॉल सेंटर का कहना है कि देर रात तक तीनों जलमीनार को भर कर गुरुवार को पानी की आपूर्ति की जाएगी। पानी नहीं मिलने से परेशान रहे लोगः भेलाटांड़ वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में मैथन से कम रॉ वाटर पहुंचा। इस कारण धोवाटांड़, गांधी नगर और बरमसिया जलमीनार तक पानी नहीं पहुंचा, जिससे आपूर्ति पूरी तरह से बाधित रही। लोग अधिक परेशान रहे, जबकि कई लोग अपने घरों से बाल्टी व गैलेन लेकर नल के पास खड़े रहकर इंतजार करते दिखे। पानी नहीं आने पर लोग मायूस दिखे। वहीं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मैथन से भेलाटांड़ वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में सामान्य रूप से रॉ वाटर आने लगा है। देर रात तक सभी जलमीनार में पानी भरकर सुबह में आपूर्ति की जाएगी।

कल हॉकी के एशिया कप विजेताओं का होगा सम्मान

जमशेदपुर : नेवल टाटा हॉकी अकादमी 19 जून को शाम 4 बजे अकादमी के वीआईपी रूम में सम्मान समारोह आयोजित कर रही है। पुरुष अंडर-18 एशिया हॉकी कप में भारत की स्वर्ण जीत पर झारखंड के दो खिलाड़ियों आशीष तानी पूर्ति एवं प्रेमचंद सोय को सम्मानित किया जाएगा। मुख्य अतिथि टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट एवं हॉकी एस फाउंडेशन के चेयरमैन डी.बी। सुंदर रामम होंगे। सभी पत्रकारों एवं हॉकी प्रेमियों को आमंत्रित किया गया है।

लातेहार के सरकारी स्कूल ने राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया झारखंड का मान

भारत सरकार के उत्कृष्ट विद्यालयों में शामिल

संवाददाता

लातेहार : जिले के चंदवा प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय तुरीसोत के एक सरकारी स्कूल ने मिसाल पेश की है। सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र में स्थित इस विद्यालय ने अपने अनुकरणीय प्रयासों से न केवल जिले बल्कि पूरे राज्य का नाम रोशन किया है। विद्यालय में स्वच्छता, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर शिक्षकों और विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयास से विद्यालय परिसर स्वच्छ, व्यवस्थित और हराभरा नजर आता है।
स्कूल की इस सामूहिक प्रयासों के चलते भारत सरकार की स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग 2025-26 में विद्यालय को देश के उत्कृष्ट विद्यालयों में स्थान दिया गया है। इस उपलब्धि के साथ विद्यालय को केंद्र सरकार की ओर से एक लाख रुपए विशेष प्रोत्साहन राशि और शिक्षकों को प्रशिक्षण व एक्सपोजर विजिट का अवसर भी मिलेगा।

तीन स्तर में मॉनिटरिंग के बाद किया गया चयन

बता दें कि भारत सरकार द्वारा स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग 2025-26 योजना के तहत बेहतर कार्य करने वाले विद्यालयों के चयन के लिए तीन स्टेज में अलग-अलग बिंदुओं को फोकस करते हुए सर्वे का काम किया था। जिसे मुख्य रूप से स्कूल में बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना, जल संरक्षण, ठोस एवं तरल अवशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण समेत और कई बिंदुओं पर विद्यालय में सामूहिक

रूप से हो रहे कार्यों की सर्वे की गई थी।
इसके बाद विद्यालयों को उनके यहां किए गए कार्यों से संबंधित पॉइंट देखकर रेटिंग दिया गया। इसमें तुरीसोत विद्यालय को 90.64 अंक प्राप्त हुए। इस उपलब्धि को हासिल करने वाला यह विद्यालय लातेहार जिले और पलामू प्रमंडल का एकमात्र विद्यालय है। जबकि झारखंड के कुल तीन विद्यालयों शामिल है। विद्यालय को इतनी बेहतर स्थिति में पहुंचाने में विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय कुमार पासवान के साथ-साथ अन्य शिक्षकों और विद्यार्थियों तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

अधिकारियों में भी है खुशी का माहौल

इधर विद्यालय की इस उपलब्धि पर जिले के अधिकारियों में भी हर्ष का माहौल है। लातेहार डीसी संदीप कुमार, विकास आयुक्त सैयद रियाज अहमद, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू आदि ने विद्यालय की उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए विद्यालय के शिक्षक और वहां के विद्यार्थियों को बधाई दी। जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू ने बताया कि यह केंद्र सरकार की योजना है, जिसमें बेहतर विद्यालयों को स्वच्छ एवं हरित विद्यालय के रूप में चिन्हित किया जाता है।
डीईओ ने बताया कि लातेहार के तुरीसोत मध्य विद्यालय को इस योजना के तहत एक लाख रुपए का प्रोत्साहन राशि मिलेगा। जबकि विद्यालय के प्रधानाध्यापक को एक्सपोजर का मौका मिलेगा। वहीं लातेहार डीसी संदीप कुमार ने कहा कि यह लातेहार जिले के साथ-साथ पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि अन्य विद्यालयों को भी इनसे सीख लेकर पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जल संरक्षण के दिशा में बेहतर काम करने की प्रेरणा मिलेगी।